मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, शुक्रवार, 2 मई 2025

संवत 2082, वैशाख शुक्ल 5 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 237 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ पाकिस्तान के साथ निर्णायक युद्ध की घड़ी

अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 का टीजर रिलीज ◀◀ 6

नक्सल ऑपरेशन में झारखंड पुलिस को मिली बड़ी सफलता

दो सक्रिय नक्सली गिरफ्तार, किसी बड़ी वारदात को देने वाले थे अंजाम

संवाददाता

रांचीः हजारीबाग में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 2 सक्रिय नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने छापेमारी कर नक्सलियों को गिरफ्तार किया है।

मामला जिले के चरही क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि पुलिस को सूचना मिली थी कि 2 सक्रिय नक्सली नूतन गंझू और प्रेम गंझू दोनों चरही इलाके में मौजूद हैं। इसके बाद पुलिस की टीम ने छापेमारी कर दोनों नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया। कहा जा रहा है कि दोनों नक्सली किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

गिरफ्तार नक्सलियों पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में हथियार, गोलाबारूद और नक्सली पर्चे भी बरामद किए हैं। बरामद सामान से साफ है कि दोनों किसी बड़ी साजिश की तैयारी में थे। वहीं, इलाके में नक्सल विरोधी अभियान जारी है।

केंद्र सरकार की ओर से नक्सल को खत्म करने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। 2026 के मार्च तक नक्सलियों के सफाया करने को लेकर नक्सल प्रभावित इलाकों में ऑपरेशन हो रहे है। झारखंड-छत्तीसगढ़ समेत देश के अलग-अलग राज्यों में नक्सलियों का एनकाउंटर किया जा रहा है। बीने कुछ महीनों में इस अभियान को और तेज कर दिया गया है जिसका असर अब दिख रहा है। कई नक्सली मारे गये है, कई पकड़े गए और कई नक्सलियों ने सरेंडर किया है।

टीएसपीसी और पुलिस के बीच मुठभेड़
भारी मात्रा में नक्सल सामग्री बरामद

पलामूः जिले के तरहसी थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में पुलिस ने भारी मात्रा में नक्सल सामग्री बरामद किया है। पुलिस पूरे इलाके की घेराबंदी कर सर्च अभियान चला रही है। दरअसल, पलामू पुलिस को सूचना मिली थी कि तरहसी के इलाके में 10 लाख के इनामी नक्सली कमांडर शशिकांत गंझू के नेतृत्व में एक दस्ता किसी घटना को अंजाम देने के लिए आया हुआ है। इसी सूचना के आलोक में एएसपी अभियान राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सर्च अभियान शुरू किया गया था। सर्च अभियान के क्रम में टीएसपीसी के नक्सलियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की है और इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ हुई है और पूरे इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। सर्च अभियान में पुलिस की टीम ने कई सामग्री बरामद की है। एसपी ने बताया कि पूरे इलाके की घेराबंदी की गई है।

प्रेम प्रसंग में बारात गये युवक की गोली मारकर हत्या

चचेरे भाई ने ही मारी गोली

संवाददाता

लातेहारः शादी में बाराती बनकर गए युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना को अंजाम देने वाला कोई बाहरी नहीं बल्कि मृतक का चचेरा भाई बताया जा रहा है। घटना लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत सोस गांव की है। युवक की हत्या के बाद उसका चचेरा भाई घटनास्थल से फरार है। पुलिस उसे पकड़ने के लिए कार्रवाई कर रही है। युवक की हत्या किन कारणों से हुई है इसका कारण अभी तक साफ नहीं हो पाया है।

जानकारी के मुताबिक इस मामले में किसी लड़की को लेकर प्रेम प्रसंग या फिर आपसी विवाद को बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। दरअसल लातेहार सदर थाना क्षेत्र के जालिम गांव से गुरुवार रात एक दुल्हे की बारात चंदवा थाना क्षेत्र के सोस गांव गई थी। मृतक उपेंद्र उरांव बारात में शामिल हुआ था। वैवाहिक कार्यक्रम के बीच शुक्रवार सुबह उपेंद्र उरांव अपने एक दोस्त के साथ गांव के बाहर स्थित तालाब के पास शौच करने गया। तभी पहले से घात लगाकर बैठे उसके चचेरे भाई ने उपेंद्र उरांव को गोली मार दी। जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गया।

युवक की हत्या की जानकारी मृतक के साथ आए उसके दोस्त ने ग्रामीणों तक पहुंचाई। जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंचे। लेकिन जब तक युवक की मौत हो चुकी थी। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची, पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

हत्या के बाद लोगों ने बताया कि यह घटना प्रेम प्रसंग के साथ-साथ आपसी विवाद के कारण घटी है। ग्रामीणों का दावा है कि पूरे मामले की छानबीन के बाद जब मामले का खुलासा होगा तो प्रेम प्रसंग का ही मामला सामने आएगा। हालांकि अभी तक घटना का कारण साफ नहीं हो पाया है। हत्या के बाद शादी का उत्सव मातम में बदल गया।

नेपाली छात्रा की मौत पर विदेश मंत्रालय ने जताया दुख, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्लीः विदेश मंत्रालय ने ओडिशा के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में एक नेपाली छात्रा की मौत पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि राज्य पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। शुक्रवार को जारी एक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम भुवनेश्वर के केआईआईटी विश्वविद्यालय की एक नेपाली छात्रा की दुखद मौत से बेहद दुखी हैं। हम इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह ओडिशा सरकार के साथ लगातार संपर्क में है और इस बात पर जोर दिया कि ओडिशा सरकार ने मृतक के परिवार को पूरी सहायता दी है तथा ओडिशा पुलिस द्वारा इस मामले की गहन जांच की जा रही है। डीसीपी भुवनेश्वर जगमोहन मीना ने कहा कि जांच के दौरान पता चला कि जब हॉस्टल वार्डन शाम को उपस्थिति ले रही थी।

राफेल, मिग-29, मिराज... गंगा एक्सप्रेसवे पर वायुसेना ने दिखाई अपनी ताकत, बढ़ी पाकिस्तान की धड़कन

नई दिल्लीः भारतीय वायुसेना की ताकत शुक्रवार को एक बार फिर देखने को मिली, जब राफेल, मिग-29, मिराज 2000 जैसे लड़ाकू विमानों ने उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर में गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी भारत की पहली नाइट लैंडिंग स्ट्रिप पर उतरने और उड़ान भरने का अभ्यास किया। 3.5 किलोमीटर लंबी यह हवाई पट्टी वायुसेना के विमानों की दिन और रात दोनों समय लैंडिंग के लिए सक्षम है, जिससे चौबीसों घंटे सैन्य अभियान चलाने और आपात स्थिति के दौरान वैकल्पिक रनवे के रूप में एक्सप्रेसवे की व्यवहार्यता का आकलन करने में मदद मिलेगी। यह अभ्यास युद्ध या राष्ट्रीय आपातकाल के समय वैकल्पिक रनवे के रूप में एक्सप्रेसवे की क्षमता का आकलन करने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

इसके साथ ही यूपी में एक्सप्रेसवे पर कुल चार लैंडिंग स्ट्रिप हो जाएंगी,

लेकिन यह पहली ऐसी स्ट्रिप होगी जिसमें रात के समय लैंडिंग की सुविधा होगी। टेकऑफ और लैंडिंग अभ्यास ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है जब 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है, जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने 26 निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। यह आधुनिक हवाई पट्टी भारत की पहली ऐसी हवाई पट्टी है जो चौबीसों घंटे सैन्य अभियानों के लिए प्रावधान के साथ एक्सप्रेसवे पर बनाई गई है। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रनवे के दोनों ओर 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

उत्तर प्रदेश सरकार हवाई पट्टी के पास एक्सप्रेसवे के साथ एक औद्योगिक केंद्र विकसित करने की भी योजना बना रही है, जिससे हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। दूसरी ओर पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की और किसी भी आक्रामक कार्रवाई का माकूल जवाब देने का संकल्प जताया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के कारण भारत और पाकिस्तान में तनाव बढ़ने के बाद दोनों की यह पहली मुलाकात थी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय अखंडता एवं संप्रभुता से कभी समझौता नहीं करेगा और किसी भी आक्रामक कार्रवाई का माकूल जवाब देगा।

पाकिस्तान का कबूलनामा

आतंकियों को पालकर हमने गलती की : बिलावल भुट्टो

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक बड़ा कबूलनामा किया है। उन्होंने स्वीकार किया है कि पाकिस्तान का कट्टरता और आतंकवाद के समर्थन का इतिहास रहा है। बिलावल ने यह बात रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस पहले दिए गए बयान की पुष्टि करते हुए कही है, जिसमें आसिफ ने स्वीकार किया था कि पाकिस्तान ने दशकों तक आतंकवाद का समर्थन किया और उन्हें प्रशिक्षण दिया।

स्काई न्यूज की पत्रकार यालदा हाकिम के साथ एक बातचीत में बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा, जहां तक रक्षा मंत्री की बात है मुझे नहीं लगता कि यह बात सीक्रेट है कि पाकिस्तान का एक इतिहास रहा है। इसका नतीजा रहा कि हमें भुगतना भी पड़ा है। हमारे यहां कट्टरता की लहर पैदा हुई है, जिसका नतीजा हुआ कि हमने भुगता। लेकिन अब हमने कुछ सबक भी सीखे हैं। हमने इस समस्या से निपटने के लिए कुछ आंतरिक सुधार भी किए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सच है कि पाकिस्तान का कट्टरता का इतिहास रहा है, जिसे नकारा नहीं जा सकता।

बिलावल का यह बयान रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के उस कबूलनामे के बाद आया है, जिसमें आसिफ ने कहा था कि पाकिस्तान ने करीब तीन दशकों तक अमेरिका और पश्चिमी देशों, खासकर ब्रिटेन, के लिए आतंकवादी पाले और उन्हें ट्रेनिंग दी। आसिफ ने यह बात तब स्वीकार की थी जब उनसे सवाल पूछा गया था कि क्या वह मानते हैं कि पाकिस्तान का आतंकवाद को समर्थन देने, ट्रेनिंग और फंडिंग देने का इतिहास रहा है।

बिलावल ने अपनी बातचीत में आगे कहा कि पाकिस्तान के इतिहास की बात अब बीता हुआ कल है और आज के फैसले उससे प्रभावित नहीं हैं। उन्होंने इसे पाकिस्तान का बीता हुआ दुर्भाग्यपूर्ण कल बताया। उन्होंने यह भी कहा कि अब पाकिस्तान ने आतंकवाद से निपटने के लिए कदम उठाए हैं और उसका असर भी दिख रहा है।

गौरतलब है कि इससे पहले बिलावल भुट्टो जरदारी ने सिंधु जल समझौते को लेकर भारत को परोक्ष रूप से धमकी देते हुए कहा था कि यदि सिंधु नदी में पानी नहीं बहेगा तो फिर हम खून बहा देंगे। उनकी इस टिप्पणी की काफी आलोचना हुई थी।

सड़क हादसे में जवान की मौत

बाइक से घर जाते वक्त हुआ हादसा

देवघरः जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में चोपा मोड़ के पास गुरुवार की देर रात हुए सड़क हादसे में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। वह गोड्डा का रहने वाला था। मृतक की पहचान देवघर के महेशमारा निवासी नीलमणि पासवान (36 वर्ष) के रूप में हुई है। वर्ष 2011 में उन्होंने जैप जवान के रूप में देवघर में योगदान दिया था। इसके बाद उनका तबादला गोड्डा हो गया।

मिली जानकारी के मुताबिक घटना के बाद मृतक गुरुवार को छुट्टी लेकर बाइक से घर आ रहा था। इस दौरान देर रात में अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को चोपा मोड़ के पास उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी मोहनपुर थाने की पुलिस को दी।

मिली जानकारी के मुताबिक घटना के बाद मृतक गुरुवार को छुट्टी लेकर बाइक से घर आ रहा था। इस दौरान देर रात में अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को चोपा मोड़ के पास उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी मोहनपुर थाने की पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पहुंची और एंबुलेंस से उसे इलाज के लिये सदर अस्पताल भेजा, जहां ऑन ड्यूटी डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार सुबह पुलिस ने मृत जवान के शव को पोस्टमार्टम कर अंतिम सलामी के लिए देवघर पुलिस लाइन भेजा। मृतक के दो छोटे बच्चे एक बेटा और एक बेटी है। पोस्टमार्टम हाउस में भारी संख्या में पुलिस जवान सहित मृतक के मुहल्ले के लोग रिश्तेदार के अलावा कांग्रेस जिलाध्यक्ष उदयप्रकाश व अन्य लोग पहुंचे थे।

डिवाइडर से टकराकर पलटा ट्रेलर,ड्राईवर की मौत

धालभूमगढ़ : पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़ थाना अंतर्गत एनएच 18 पर कदमबेड़ा गजानन फैक्ट्री के सामने गुरुवार की देर रात एक ट्रेलर और कार दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि ट्रेलर का केबिन पूरी तरह से पिचक गया, जिसमें दबकर चालक की मौके पर ही मौत हो गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर अनुमंडल अस्पताल में रखवाया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हुई है।

जानकारी के अनुसार ट्रेलर (जेएच 09 बीई 8348) मेसर्स दुर्गा ट्रांसपोर्ट चास बोकारो स्टील सिटी का था। ट्रेलर स्टील के प्लेट लोड कर बहरागोड़ा की ओर जा रहा था। इसी दौरान रात लगभग 2-3 बजे के बीच ट्रेलर डिवाइडर से टकराकर पलट गया। डिवाइडर से टकराने के बाद ट्रेलर के केबिन के चक्के ऊपर हो गए और केबिन सड़क से इतनी जोर टकराया की केबिन पिचक गया। इधर ट्रेलर में लोड स्टील के प्लेट सड़क पर बिखर गए।

ट्रेलर के दुर्घटनाग्रस्त होने के तुरंत बाद ही एक तेज रफ्तार कार (जेएच 01 डब्ल्यू 9027) ट्रेलर के पिछले हिस्से में टकराकर एक झोपड़ी में घुस गयी। कार चालक स्थानीय निवासी था। उसे हल्की चोटें आयी है। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे परिजन कार चालक को साथ लें गये। इधर पुलिस ट्रेलर चालक की पहचान में जुटी है।

न्यूज ब्रीफ

मजदूर दिवस पर मशाल जुलूस

मुरी : गोलक बिहारी महतो और सदानंद सोनार के नेतृत्व में मजदूर दिवस पर बड़ा मुरी शहीद भगत सिंह चौक पर गिरजा शंकर मुंडा की अध्यक्षता में मशाल जलाकर शिकागो के शहीद मजदूरों के प्रति एक मिनट का मौन रखा गया। दुनिया के मजदूर एक हो, शिकागो के शहीद मजदूर को लाल सलाम,लाल सलाम के नारे लगाए गए। झारखंड राज्य हिण्डाल्को कामगार यूनियन शाखा मुरी के बैनर तले काफी संख्या में हाथ में मशाल लिए मजदूर और अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर दुनिया के मजदूर एक हो , के अन्य बैनर तले एक साथ पंक्ति बद्ध तरीके से एवं अनुशासित तरीके से विशाल जुलूस निकाला गया,जो हिण्डाल्को फैक्ट्री परिसर तक गया। इस जुलूस में अरूण महतो,अमर महली,दीपक सोनार, शशि शंकर सोनार, शैलेन्द्र महतो, जीवराज महतो, नीतीश महतो, मुकेश कुमार साहू, सुमित महतो उर्फ डोला, आलोक रंजन महतो,नाजीर हुसैन , कन्हाई मांझी समेत सैकड़ों की संख्या में मजदूर शामिल हुए।

पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता ने मनाया अपना 53वां जन्मदिन

चतरा: राज्य के पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता का 53वां जन्मदिन शुक्रवार को मनाया जा रहा है। मंत्री श्री भोगता ने ऊंटा मोड़ स्थित सत्यानन्द भोक्ता इंटर कॉलेज पहुंचकर केक काटकर जन्मदिन मनाया।साथ ही छात्र-छात्राओं व उपस्थित लोगों को केक खिलाया। छात्र-छात्राओं ने भी पूर्व मंत्री को केक खिला कर जन्मदिन की बधाई दी और साथ ही लंबी उम्र की कामना की।मौके पर राजद जिलाध्यक्ष नवल किशोर यादव, राजद युवा नेता विनोद भोगता समेत कॉलेज के शिक्षक-शिक्षिका, प्रबंधन समिति के लोग व काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता ने अपने जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।कहा कि काफी संख्या में लोगों ने सोशल मीडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप व अन्य पर जन्मदिन की बधाई दे रहे है। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कहा कि लोगो का प्यार ही हमें आम लोगों के सुख दुख में हमेशा तत्पर पर रहने के लिए प्रेरित करता है।

बारिश ने मचाई तबाही, रेड क्रॉस भवन पर गिरा पेड़

चतरा : जिले में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदला। गरज और तेज आंधी के साथ जमकर बारिश हुई। इस दौरान कई पेड़ धरासाई हो गए। पेड़ के गिरने से कई सड़कों पर कुछ देर के लिए आवागमन बाधित रहा। बारिश के दौरान चतरा रेड क्रॉस भवन में बड़ा हादसा होते होते बचा। दरअसल आंधी और बारिश के दौरान रेड क्रॉस परिसर स्थित पेड़ की दो बड़ी टहनियां गिर गई। यह टहनी परिसर में खड़े स्कूटी के साथ साथ सामने के एलबस्टर सीट पर गिरी जिसमें एलबस्टर को मामूली नुकसान हुआ। अगर यह किसी व्यक्ति पर गिरता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

शिव प्रतिष्ठा एवं रुद्र महायज्ञ 6 मई से

चतराः सदर प्रखंड के कमता खुर्द में शिव प्रतिष्ठा एवं रुद्र महायज्ञ आयोजित किया जा रहा है। यह महायज्ञ 6 से 12 मई तक आयोजित है। शुभारंभ 6 मई को भव्य कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। यज्ञ संचालन समिति के सदस्य ने बताया कि 7 मई को वेदी पूजन, अग्निमंथन एवं श्री विग्रह का जलाधिवास एवं शाम में श्री राम कथा का आयोजन होगा। वहीं 8 मई को वेदी पूजन,मंडप पूजन, हवन एवं श्री विग्रह का फल अधिवास और रात्रि में श्री राम कथा, 9 मई को प्रातः कालीन वेदी पूजन, मंडप पूजन, हवन के साथ साथ श्री विग्रह का प्राण प्रतिष्ठा और रात्रि में राम कथा। 10 मई को वेदी पूजन,मंडप पूजन, हवन और गंगा आरती के साथ रात्रि में श्री राम कथा।
11 मई को वेदी पूजन, मंडप पूजन, हवन एवं 12 मई को हवन,पूजन, भंडारा और प्रसाद वितरण के साथ यज्ञ का समापन होगा।

झारखंड अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ ने शहीद बेदी पर किया माल्यार्पण

चतराः अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय मुख्य गेट स्थित धरना स्थल पर, झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर कर्मचारीयों ने एकत्रित होकर शहीद वेदी पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को याद करते हुए नमन किया। शहीदों के याद में कांतिकारी नारे लगाये गये। इसके उपरान्त प्रत्येक वर्ष 01 मई को अन्तराष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाने की परंपरा पर चर्चा की गई। बताया गया कि वस्तुतः यह आंदोलन पूंजीपतियों द्वारा मनमाने ढंग से मजदूरों से 12 घण्टे निर्बाध कार्य लेने एवं उनके शोषण के विरुद्ध आंदोलन में कार्य के समयावधि 8 घंटे निर्धारित करने से संबंधित है।

सिविल सर्जन ने किया आरबी डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड का उद्घाटन्

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा : शहर के अव्वल मोहल्ला स्थित रामनगर चौक के पास बुधवार को आरबी डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड केंद्र का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ दिनेश कुमार और सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ मनीष लाल ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। अल्ट्रासाउंड उद्घाटन के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सिविल सर्जन डॉ दिनेश कुमार ने कहा कि आरबी हॉस्पिटल चतरा जिले में आयुष्मान योजना के तहत एक मात्र निबंधित हॉस्पिटल है। आयुष्मान के तहत इनका कार्य काफी सराहनीय है। अस्पताल में आयुष्मान योजना के तहत इलाज कराने वाले मरीजों को अल्ट्रासाउंड की आवश्यकता महसूस किया जा रहा था। अब इस अल्ट्रासाउंड के खुलने के बाद मरीजों को अल्ट्रासाउंड से

संबंधित होने वाली समस्या का समाधान हो जाएगा। आरबी हॉस्पिटल के निदेशक जीएस राजू व विनय कुमार ने कहा कि पिछले पांच वर्षों से शहर में आरबी हॉस्पिटल मरीजों की सेवा भाव के साथ काम कर रहा है। आरबी डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाउंड भी लोगों को शिकायत का मौका नहीं देगा। यहां मरीजों को 24 घंटे अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अल्ट्रासाउंड में किसी भी हाल में भ्रूण जांच नहीं किया जाएगा। यहां गर्भवती महिलाओं के लिए चिकित्सक के परामर्श पर सोनोलॉजिस्ट डॉ आमिर अफजल के द्वारा अल्ट्रासाउंड किया जाएगा। मौके पर अस्पताल के अध्यक्ष हाजी इनामुल हक, सचिव राजेंद्र प्रसाद केसरी, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरविंद केसरी, डॉ अजहर, डॉ टी थॉमस, डॉ वेद प्रकाश, डॉ नीतिन, डॉ प्रवीण कुमार, डॉ आमीर अफजल, डॉ एमपी यादव,
मो आदिल सोहेल अनवर, उपेंद्र यादव, अतिक मंसूरी, सौरभ अग्रवाल सहित अन्य कई गणमान्य उपस्थित थे।

वर्कर्स यूनियन व असंगठित ठेका मजदूर यूनियन ने निकाली संयुक्त रैली

मेट्रो रेज संवाददाता

सिल्ली: मुरी एल्युमिनियम फैक्ट्री वर्कर्स यूनियन, इंडाल कामगार यूनियन तथा असंगठित ठेका मजदूर यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में भगत सिंह चौक बड़ा मुरी से एक वृहद मजदूर रैली गगन चुंबी नारों के साथ निकली। रैली में दुनियां के मजदूरों एक हो, शिकागो के अमर शहीदों तुम्हें हमारा लाल सलाम, शहीद तुम्हारे अरमानों को मंजिल तक पहुंचाएंगे आदि नारे लगाते हुए हिंडाल्को गेट पहुंचे जहां रैली आम सभा में तब्दील हो गई। आम सभा को जीवराज महतो, गोलक बिहारी महतो,शैलेंद्र महतो मुकेश साहु,अमर महली अरुण महतो आदि ने संबोधित करते हुए कहा कि भारत के चेन्नई में 1 मई 1923 में लेबर किसान पार्टी ऑफ हिंदुस्तान की अध्यक्षता में मजदूर दिवस मनाने की परंपरा की शुरूआत हुई। इस दौरान कई संगठनों व सोशल पार्टियों का समर्थन मिला। जिसका नेतृत्व वामपंथी कर रहे थे पहली बार इसी दौरान मजदूरों के लिए लाल रंग का झंडा वजूद में आया था। जो मजदूरों पर हो रहे अत्याचार व शोषण के खिलाफ आवाज उठाने का प्रतिक है। इस दिन का उद्देश्य लोगों को श्रमिकों और उनकी समस्याओं के प्रति जागरूक करना है। रैली का संचालन सुमित महतो उर्फ डोला ने किया। रैली को सफल बनाने में सदानंद सोनार, नजीर हुसैन, आलोक रंजन महतो, नीतीश महतो, संजय महतो संजय महतो व अन्य का विशेष योगदान रहा।

सीसीएल में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर भव्य समारोह का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) द्वारा रांची स्थित अपने मुख्यालय परिसर में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सीसीएल कार्यालय परिसर में स्थित शहीद स्मारक पर माल्यार्पण के साथ हुई, जहां सीसीएल के वीर शहीद कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह के नेतृत्व में निदेशकगण –पवन कुमार मिश्रा (वित्त), हर्ष नाथ मिश्र (मानव संसाधन), चंद्र शेखर तिवारी (तकनीकी/ऑपरेशन), शंकर नागाचारी (परियोजना एवं योजना), पंकज कुमार (सीवीओ) – एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने शहीदों को नमन करते हुए उनके योगदान को याद किया।
इसके पश्चात सीसीएल सभागार में दीप प्रज्वलन कर मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने अपने संबोधन में सभी कर्मियों को श्रमिक दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा, सीसीएल केवल एक उत्पादन इकाई नहीं, बल्कि एक सशक्त और दूरदर्शी संगठन है जो अपने श्रमिकों की मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता से नई ऊँचाइयों को छू रहा है। हमने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक का सर्वाधिक 87.55 मिलियन टन कोयला उत्पादन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।
उन्होंने कहा कि श्रमिक केवल एक शब्द नहीं, बल्कि हमारी पहचान हैं। हमें न केवल अपने कार्यों से, बल्कि अपने विचारों से भी श्रमिक बनना होगा। गुणवत्ता, मात्रा और समय पर आपूर्ति – यह हमारी कार्यशैली के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। आधुनिक खनन तकनीकों के माध्यम से पर्यावरण की रक्षा करते हुए उत्पादन करना हमारी प्राथमिकता है।

'उत्कर्ष' वार्षिक पत्रिका का विमोचन, उत्कृष्ट कर्मियों व एरिया यूनिट्स को किया गया सम्मानित

करमा पंचायत में धूमधाम से मनाया गया मजदूर दिवस

हक व अधिकार की दी गई जानकारी

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के करमा पंचायत में अम्बेडकर समिति परिवार के द्वारा गुरूवार को मजदूर दिवस धूमधाम से मनाया गया।इस अवसर पर समिति के द्वारा ग्रामीणों को मजदूर के हक एवं अधिकार के बारे में जानकारी दी गई। समिति के सदस्य राजू दा ने बताया कि मजदूर दिवस शहीद मजदूरों के याद में मनाया जाता है। मजदूरों ने शहीद होकर मजदूर पर हो रहे शोषण को खत्म कराया था। लगभग 1886 वर्ष से पहले मजदूरों को बेरहमी के तरह कार्य करा कर कम मजदूरी दिया जाता था। बंधुआ मजदूर के रूप में मजदूर कार्य करते थे। मजदूरों ने अपने हक एवं अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी थी, जिसमें सैकड़ों मजदूर की मौत हुई थी।उन्होंने आगे कहा की भारत मजदूर किसान का देश है।इसी भारत देश में एक समय ऐसा था की गरीब गुरुआ शोषित वंचित समाज से मनमानी बेगारी करवाया जाता था परंतु आज बाबा साहेब अम्बेडकर जी के संविधान ने हमे बेगारि से मजदूरी दर मे परिवर्तन कर मजदूरी दिहाड़ी काम का समय सीमा आठ घण्टे कर दिए और सामंतीयो के चाबुक से निजात दिलाए।कहा कि मजदूर और किसान देश का अभिमान है। भारत का संविधान नही होता तो मजदूर और किसानो का सम्मान नही होता।इस मौके पर संरक्षक राजू दा ने बच्चों के बीच कॉपी कलम और चकलेट वितरण कर समाज मे शिक्षा के प्रति जागरूक व सजग करना समिति का लक्ष्य बताया।मौके पर ममता देवी, बबिता देवी,रंजीत कुमार, संजीत कुमार, सहित सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्रामीण बैंक का लिंक फेल, कामकाज प्रभावित, ग्राहक हो रहे परेशान

चतरा : हंटरगंज प्रखंड के पांडेपुरा स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक का लिंक छः दिनों से फेल है। इससे ग्राहक परेशान हैं। पांडेपुरा पंचायत सहित इर्द गिर्द पंचायत के लोग रोज 10 से 15 किमी दूर से पैसा निकासी करने बैंक आते हैं और निराश होकर लौटते हैं। लिंक फेल रहने से हर रोज लोग परेशान हो रहे हैं।खासकर इन दिनों शादी विवाह एवं स्कूली बच्चे और पेंशनधारी लोगों को अधिक परेशानी हो रही है। लिंक फेल का कारण ग्रामीण क्षेत्रों के लोग नहीं समझ पाते हैं।इधर इस संबंध में शाखा प्रबंधक आकाश कुमार सोनी ने दूरभाष पर बताया कि शुक्रवार से ही बैंक का लिंक फेल है। इसकी सूचना बैंक के उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। उच्च अधिकारी जल्द से जल्द लिंक को ठीक कराने की बात कह रहे हैं।

सऊदी अरब से वापस लौटे जायरीन

मेट्रो रेज संवाददाता

मुरी : जन्नत टूर ट्रेवल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 5 सदस्यों का जत्था मुरी और जमशेदपुर से हज उमरा करने के लिए सऊदी अरब के मक्का शहर गए। जहां पर सभी हाजियों ने काबा शरीफ में तोआफ की ओर शाफा मरवा का दौड़ लगाया । और उमरा मुकम्मल की उसके बाद सभी हाजियों ने मक्का शहर के अराफात मैदान की जियारत की। उसके बाद सभी हाजी मक्का शरीफ से मदीना शरीफ की जियारत के लिए निकले और मदीना शरीफ में अल नब्वी में नमाज अदा की। जन्नतुल बकी , ओर जंग गै बदर ,की जियारत की। मक्का शरीफ और मदीना शरीफ में सभी हाजियों ने अपने वतन एवं अपने गांव शहर की अमन चैन शांति खुशहाली के लिए दुआएं मांगी। सभी हाजियों के चेहरे में खुशियां साफ झलक रही थी।मदीना शरीफ से अपने वतन को लौटे सभी हाजी जद्दा एयरपोर्ट से इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट दिल्ली पहुंचे जहां से झारखंड स्वर्णजयंती एक्सप्रेस ट्रेन से सभी हाजी मुरी रेलवे स्टेशन पहुंचे। उनके मुरी स्टेशन पहुंचते ही सभी हाजी सैय्यद जाफर अलम, सिराज बीबी, मुशरत बानो, का मुरी स्टेशन पर फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर मकसूद आलम, वहीदा बेगम, सैय्यद मंसूर आलम,रेशमा बेगम, हिना परवीन, कमर आलम, शहनाज बेगम, शहजादा अहमद, मुस्कान अनवर, अमजद खान, तबस्सुम परवीन, लतीफ, हलीमा बेगम, नाजुउद्दीन अंसारी व अन्य स्वागत के लिए मुरी स्टेशन पहुंचे थे।

सेल और इंडियन ऑयल ने विकसित किया स्वदेशी रोलिंग तेल

रांची : सेल और इंडियन ऑयल ने राउरकेला स्टील प्लांट के लिए स्वदेशी रोलिंग तेल विकसित किया राउरकेला इस्पात संयंत्र हॉट स्ट्रिप मिल-2 अपने रोलिंग प्रणाली के लिए आयातित रोलिंग तेल पर निर्भर करता था। आयात प्रतिस्थापन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सेल के आर एंड डी सेंटर फॉर आयरन एंड स्टील (आरडीसीआईएस) रांची ने एक स्वदेशी रोलिंग तेल विकसित करने के लिए एक संयुक्त परियोजना में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के साथ सहयोग किया।
आरडीसीआईएस रांची में फ्लैट रोलिंग एंड ट्राइबोलॉजी ग्रुप द्वारा प्रायोगिक रोलिंग मिल में व्यापक प्रयोग और अनुकूलन के बाद नव विकसित तेल का औद्योगिक परीक्षण गत सप्ताह से शुरू किया। परीक्षण के परिणाम अत्यधिक उत्साहजनक रहे हैं, जिसमें स्वदेशी तेल गुणवत्ता के मामले में आयातित समकक्ष से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। आयात पर निर्भरता को कम करने के अलावा, नए तेल से ऊर्जा की खपत कम होने और गर्म रोल्ड कॉइल और प्लेटों की सतह की गुणवत्ता में वृद्धि होने की उम्मीद है। औद्योगिक परीक्षण का औपचारिक उद्घाटन सुब्रत कुमार,मुख्य महाप्रबंधक (एचएसएमऔर एयू एक्स) ने किया, जिसमे राउरकेला स्टील प्लांट, आरडीसीआईएस, आरएसपी और इंडियन ऑयल के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रमुख उपस्थित लोगों में सुधीर तिर्की, जीएम प्रभारी (आरडीसीआईएस राउरकेला केंद्र) और डॉ एसके ठाकुर, डीजीएम (एफआरएंड टी), आरडीसीआईएस, रांची शामिल थे। अन्य उल्लेखनीय उपस्थित लोग थे । रंजीत कुजुर, दीपक कुमार यादव, सुब्रत कानूनगो, एचएस इलाहाबादिया, चिदानंद नायक, मनोरंजन कुमार, समीर आर महापात्रा और आरएसपी के चिरनजीत जेना के साथ इंडियन ऑयल के डॉ रामेश्वर चौधरी और कुलदीप प्रधान।

पहलगाम सैलानी शब्द श्रद्धांजलि सभा सह काव्य गोष्ठी संपन्न

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा : अंतर्राष्ट्रीय महिला काव्य मंच चतरा, झारखंड इकाई की ओर से बुधवार की शाम 7:00 बजे से ऑनलाइन पटल पर पहलगाम सैलानी शब्द श्रद्धांजलि के साथ एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिला इकाई की अध्यक्ष सह शिक्षिका डॉ संध्या रानी ने बताया कि इस काव्य गोष्ठी में चतरा महिला काव्य मंच की सभी महिला सदस्यों ने भाग लिया। मिनाक्षी जयसवाल के द्वारा सरस्वती वंदना के साथ गोष्ठी की शुरूआत हुई। डॉ सविता बनर्जी के मंच संचालन और श्वेता सिंह की अध्यक्षता में पटल पर उपस्थित सभी ने अपने स्वरचित

पंक्तियों की प्रस्तुति दी। रामेश्वर लाल खंडेलवाल विद्या मंदिर, चतरा की शिक्षिका सुकृति कुमारी 'यूं तो वर्षों पहले मुलाकातें थी' शीर्षक पंक्तियों के द्वारा अपने मनोभाव को अपनी पंक्तियों के द्वारा रखी। वहीं इसी विद्यालय की शिक्षिका प्रीति कुमारी पांडे ने नारी शीर्षक कविता के माध्यम से अपने भीतर के उद्गार को व्यक्त किया। संजना कुमारी ने 'मैं नारी हूं' शीर्षक कविता के द्वारा भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराध के प्रति रोष को अपनी पंक्तियों के माध्यम से अभिव्यक्त की। मिनाक्षी जयसवाल ने अपनी पंक्तियों को शक्ति के सागर हनुमान को समर्पित किया। वहीं अरुंधति दत्ता की पंक्तियों में 'बड़ी बेसाख्ता से पटरी पर दौड़ी जा रही है जिंदगी' में गुजरती जिंदगी की झलकियां दिखी। सुशीला कुमारी की पंक्तियां परशुराम जयंती और पहलगाम श्रद्धांजलि को समर्पित रही। माधवी गुप्ता ने अपनी पंक्तियों में मनुष्यता की सच्ची छवि को दिखाने का प्रयास किया । डॉक्टर सविता बनर्जी 'मुश्किल है स्वयं से लड़ना' शीर्षक पंक्ति के माध्यम से बहुत कुछ कह गई। वहीं श्वेता सिंह स्वयं के अंदर चल रहे अंतर द्वंद्व की अपनी पंक्तियों के माध्यम से जिंदगी की वास्तविक पहलू से रूबरू करायी। डॉ संध्या रानी ने अक्षय तृतीया, परशुराम जयंती और पहलगाम सैलानी श्रद्धांजलि को समर्पित पंक्तियों को सबों के बीच में रखा।
काव्य पाठ के उपरांत समीक्षात्मक अभिव्यक्ति और श्रद्धांजलि के लिए मौन सभा के साथ गोष्ठी के समापन की घोषणा हुई।

केंद्र द्वारा जातीय जनगणना कराने के फैसले पर बोले मुख्यमंत्री

देर से आए, लेकिन आना पड़ा

बता दें कि केंद्र की मोदी सरकार ने जाति जनगणना करवाने का फैसला किया है। लंबे समय से यह मांग चल रही थी, अब जाकर केंद्र ने इसे हरी झंडी दिखाई है। अब जाति जनगणना के एक ऐलान ने पूरे देश की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है।

संवाददाता

रांचीः केंद्र सरकार द्वारा देश में जातीय जनगणना कराने के फैसले पर मुख्यमंत्री हेमंत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। सीएम हेमंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, देर से आए, लेकिन आना पड़ा ।

मुख्यमंत्री हेमंत ने 27 सितंबर 2021 की एक अखबार की कटिंग भी साझा की है। दरअसल, उस समय झारखंड सरकार ने केंद्र से जातिगत जनगणना की मांग की थी। 2021 में मुख्यमंत्री सोरेन के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर जातीय जनगणना की मांग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा था। उस समय केंद्र सरकार की ओर से तकनीकी जटिलताओं का हवाला देते हुए इस पर सहमति नहीं बन पाई थी। गृह मंत्री शाह ने इसे कठिन कार्य बताते हुए राज्यों से अपनी भूमिका तय करने को कहा था। वहीं, इसी को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, देर से आए, लेकिन आना पड़ा ।

बता दें कि केंद्र की मोदी सरकार ने जाति जनगणना करवाने का फैसला किया है। लंबे समय से यह मांग चल रही थी, अब जाकर केंद्र ने इसे हरी झंडी दिखाई है। अब जाति जनगणना के एक ऐलान ने पूरे देश की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। बड़ी बात यह है कि विपक्ष इसे अपनी जीत के रूप में देख रहा है। उसका तर्क है कि कांग्रेस और दूसरी समाजवादी पार्टियां लंबे समय ऐसे केंद्र पर दबाव बना रही थी, तब जाकर जाति जनगणना का ऐलान किया गया। अब यहां पर सवाल उठता है कि जाति जनगणना का मतलब क्या है, इसकी आखिर क्यों जरूरत पड़ी है? जातिगत जनगणना का सीधा मतलब होता है कि देश में किसी जाति के कितने लोग हैं, इसके स्पष्ट आंकड़े सामने रखे जाएं। अब देश में जातिगत जनगणना पहले भी हुई है, लेकिन तब ओबीसी को उसमें शामिल नहीं किया जाता था। ऐसे में बात जब भी जातिगत जनगणना की होती है, सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की रहती है कि देश में ओबीसी वर्ग अब कितना ज्यादा बड़ा बन चुका है, आखिर इस समाज के कितने लोग देश में रह रहे हैं? इस बार भी जो जातिगत जनगणना करवाई जाएगी, सभी की नजर सिर्फ इस बात पर रहेगी कि ओबीसी कितने प्रतिशत हैं।

मरहबा ह्यूमन सोसाइटी ने किया हज ट्रेनिंग कैंप का आयोजन

रांचीः लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बैक की सदा सुनते ही आजमीने हज के साथ तमाम लोग भावुक हो उठे । ऐसा लगा जैसे सभी लोग हज के पाक सफर पे रवाना होने को तैयार हैं । मौका था मरहबा ह्यूमन सोसाइटी द्वारा आयोजित हज ट्रेनिंग कैंप में शामिल रांची और आस पास के आजमीने हज का। मेन रोड स्थित पार्टी पैलेस बैंक्वेट हॉल में सुबह साढ़े दस बजे से ट्रेनिंग कैंप का आगाज शहर काजी हाफिज कलाम साहब के तिलावते कलाम पाक से हुई । जहां मौजूद रांची,इटकी,खूंटी,गुमला,रामगढ़ और रांची के आसपास के आजमीने को झारखंड के मशहूर हज ट्रेनर हाजी कैसर आलम ने हज के पाक सफर के शुरू होने से हज मुकम्मल होने तक कौन कौन से अरकान करने है को बड़े आसानी और सिलसिलेवार बताया जिसमें हज के विशेष पांच दिनों में कौन कौन से अरकान करने है । जैसे खाना काबा का तवाफ, सफा मरवा की दौड़ लगाना,अरफात , मिना,कुबार्नी जैसे हर बातों को तफसील से बताया,ट्रेनिंग कैंप की सदारत करते हुए इमारत शरिया के काजी मुफ्ती मोहम्मद अनवर कासमी ने शरई अहकाम के साथ हज के रुकून को आजमीने को बताया जिससे कि उनकी हज शरई एतबार से भी मुकम्मल हो ,वहीं मस्जिदे जफरिया के इमाम ए जुमा मौलाना सैयद तहजीबुल हसन रिजवी,और इमामे ईदैन डॉ मौलाना असगर मिस्बाही ने भी अपनी बात रखी। इस मौके पर आजमीने हज को मरहबा ह्यूमन सोसाइटी और हाजी शम्स तबरेज के जानिब से तोहफे भी दिए गए जबकि दुआओं में मुल्क की तरक्की और मेल मुहब्बत ,एकता के लिए दुआ भी की गई।

इस मौके पर हज कमेटी के पूर्व चेयरमैन हाजी मंजूर अहमद अंसारी,समाज सेवी रोशन लाल भाटिया,अकिल उर रहमान, अमया के अध्यक्ष एस अली,मरहबा के सदर नूर अहमद,शमशाद अनवर,नेहाल अहमद,नैय्यर सहाबी,आलम खान,ज़ियाउद्दीन साबरी,मोहम्मद फिरोज,हाजी शाहिद परवेज,हाजी मूसा मलिक, मो फारूक, मो जमील,मो शमीम,शेख अनीस,मंजर इमाम,डॉ असलम,औरंगजेब खान, अफशरुल आब्दीन, एडवोकेट जफर इकबाल, जहांगीर आलम, तलहा हैदरी व अन्य मौजूद थे।

मजदूर हमारे भाई,करो इनका सम्मानः हरिकनक ग्रेटर

लायंस क्लब ने श्रमिक भाइयों के बीच बांटा खाद्य सामग्री

संवाददाता

रांचीः अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक(मजदूर) दिवस पर लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर की ओर से पिस्कामोड़ टंगरा टोली नगर निगम के श्रमिक भाइयों,साहिता लाहकोठी,लालपुर,बूटी मोड़ के सैकड़ों श्रमिक भाइयों के बीच चिप्स बिस्कुट,माजा एवं फ्रूटी का वितरण किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता छात्र क्लब श्रमिक कल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह हरिकनक ग्रेटर के पीआरओ।लायन शिव किशोर शर्मा ने किया। इस मौके पर मुख्यअतिथि के रुप में छात्र क्लब मानव कल्याण मंच के वरीय संरक्षक विजय पाठक,एव विशिष्ठ अतिथि विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश, लक्की एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक गौतम कुमार साहू,लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के अध्यक्ष लायन एमजेएफ।राजेश केडिया,लायन एमजेएफ।(रीजन चेयरपर्सन 2 ए डिस्ट्रिक्ट 322 ए)लायन प्रेम शंकर मिश्रा,अधिवक्ता लायन प्रिया रानी,लायन अमित मिश्रा,लायन दीपक कुमार साहू,लायन डॉक्टर दीपक कुमार,लॉयन अंकित सर्राफ,लायन साकेत अग्रवाल,लायन रवि मेहता, लायन प्रशांत कुमार,लायन ममता मिश्रा,लायन सुबिमल दत्ता,लायन प्रमोद कुमार पांडे, आदि मौजूद थे। मौके पर अपने संबोधन में विजय पाठक ने कहा कि मजदूर हमारे भाई है हमेशा इनकी सम्मान करें वहीं संतोष कुमार ने कहा लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर सामाजिक क्षेत्र मे पुण्यकार्य कर रही है इसके लिए मैं सभी लायन को बधाई देता हूं।

आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से छात्र क्लब ग्रुप के संरक्षक सुचिता सिंह,महेश चंद्रा,संजय कुमार सिंह उर्फ लल्लू सिंह,गगन शर्मा, शुभम चौधरी,ऋषिकेश लाल सहित कुमारी पिया बर्मन, अनिता,शीला, नीलम,विनीता,वीणाश्री,अंजना लालिता,पूनम,अंजना प्रियदर्शनी,सुनीता पांडे,कविता वर्मा,वीणा सिंह,डालियां राय, रूपम भगत,संगीता झा,सुबोध कुमार शर्मा,जितेंद्र कुमार शर्मा,संदीप कुमार,राजकिशोर कुमार व अन्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नक्सल उन्मूलन के मुद्दों पर डीजीपी ने की हाई लेवल मीटिंग,कहा-

झारखंड अब डर के साये में नहीं, सुरक्षा की छांव में जीयेगा

बैठक में लिये गये कई फैसले

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड पुलिस मुख्यालय में आज न कोई थकान थी, न कोई हिचकिचाहट, थी तो बस एक प्रतिज्ञा, एक संकल्प कि अब और नहीं। अब लाल साया झारखंड की हरियाली पर नहीं छायेगा। डीजीपी अनुराग गुप्ता की अध्यक्षता में आज एक हाई लेवल मीटिंग हुई। नक्सल उन्मूलन के मुद्दों पर इस बैठक में लातेहार से लेकर चाईबासा, पलामू से लोहरदगा तक, हर जिले की फाइलें खुली थीं, लेकिन इस बार सिर्फ चर्चा नहीं–एक्शन प्लान भी तय किया गया।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अब नक्सली नाम नहीं, चेहरे होंगे, प्रोफाइल बनेगा, रिकॉर्ड बनेगा, ताकि कोई भी आतंक का चेहरा झारखंड की सुरक्षा से बड़ा न हो पाये। उन्होंने खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने, स्थानीय एजेंसियों से समन्वय, मुखबिरों का उपयोग, और जमानत पर छूटे उग्रवादियों पर विशेष नजर रखने पर जोर दिया। उनका संदेश साफ था कि ये सब अब केवल बातें नहीं, बल्कि आने वाले दिनों की जमीन पर उतरती हकीकत होगी। तमाम खासकर उग्रवाद प्रभावित जिलों के पुलिस कप्तानों को सख़्त निर्देश दिये कि अब वक्त है मैदान में उतरने का, सख़्त कार्रवाई का और भरोसा दिलाने का कि झारखंड अब डर के साये में नहीं, सुरक्षा की छांव में जियेगा। इस निर्णायक बैठक में राज्य के तमाम पुलिस अधिकारियों की भागीदारी रही। मीटिंग में एडीजी डॉ. संजय आनंदराव लाठकर, आईजी अभियान अमोल वेणुकांत होमकर, डीआईजी चंदन झा और जमीनी मोर्चे के नायक–पलामू, हजारीबाग, लोहरदगा, चाईबासा, लातेहार के पुलिस कप्तान सभी की आंखों में एक ही चमक थी, अब ये जंग आखिरी होगी।

बैठक में लिये गये ये अहम फैसले

- हर धमकी, हर लेवी मांग के मामले की समीक्षा होगी। कोई पीड़ित चुप ना रहे, हर शिकायत पर एफआईआर हो, यह अब पुलिस की जिम्मेदारी है।
- जिनके खिलाफ केस दर्ज हैं, जो फरार हैं, अब कुर्की जब्ती से बच नहीं पायेंगे।
-नक्सली लूट से बनी हर संपत्ति अब सुरक्षित नहीं, उसे भी चिन्हित कर जब्त किया जायेगा।
-अब हर थाना, हर जवान को पता होगा कि उसके इलाके में कौन दुश्मन है और कौन साथी

आईसीएससी की 10वीं बोर्ड परीक्षा में संत थॉमस के उमर हसन को मिले 97% अंक

रांची : मेहनत, समर्पण और लक्ष्य का संकल्प ही किसी को बुलंदियों तक पहुंचाता है। इसका प्रमाण बना है, संत थॉमस स्कूल धुर्वा का उमर हसन । उमर ने आईसीएससी की 10वीं बोर्ड परीक्षा में 97।2% अंक प्राप्त कर स्कूल में 5वां रैंक प्राप्त किया। उमर विक्रांत चौक के संतुष्टि अपार्टमेंट निवासी डॉक्टर ऐरार हसन और शम्मा परवीन (गृहिणी) के पुत्र हैं। ज्ञात हो कि संत थॉमस स्कूल धुर्वा के विद्यार्थियों ने 10वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 99।2% अंक लेकर अभिषेक कुमार और ओजस्विनी अग्रवाल ने स्कूल टॉप किया। परीक्षा में इस बार 294 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इसमें 42 विद्यार्थियों ने 95% से अधिक अंक प्राप्त किए। 86 ने 90% से अधिक अंक प्राप्त किए। इस सफलता के लिए प्राचार्य ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी। वहीं उमर के माता-पिता बेटे की सफलता को लेकर आश्वस्त थे। उन्होंने कहा कि उमर ने पढ़ाई के अलावा कुछ जाना ही नहीं। वह एक साल से कहीं भी शादी पार्टी तक में भी जाने से कतराता था कि समय बर्बाद हो जाएगा। पिता ने बताया कि हमें उमर से बात करने में भी सोचना पड़ता था। उन्होंने कहा कि बेटा काफी भावुक है। उसके रिजल्ट को लेकर मन में काफी डर भी था कि अगर अंक कम आ गए तो उसे तकलीफ होगी, लेकिन उसकी मेहनत और शिक्षकों का मार्गदर्शन उसकी इस सफलता का माध्यम बना। वहीं उमर की उपलब्धि पर उसकी मां भी काफी प्रसन्न हैं। मां ने कहा कि ऐसा लग रहा है मानो उमर ने नहीं, बल्कि उन्होंने परीक्षा पास की है।

रांची के चार पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज, डीआईजी ने किया सस्पेंड

काम में लापरवाही बरतने का आरोप

मेट्रो रेज

रांचीः जिले के एसएसपी सह डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा ने रांची में तैनात चार पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की है। काम में लापरवाही के आरोप में इन्हे सस्पेंड कर दिया गया है।

डीआईजी चंदन कुमार सिन्हा ने ड्यूटी में लापरवाही के आरोप में चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। सस्पेंड हुए चार पुलिसकर्मियों में से तीन पिठोरिया थाने में तैनात थे और एक पीसीआर के ड्यूटी में थे। डीएसपी की रिपोर्ट के आधार पर डीआईजी ने कार्रवाई की है।जिन पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई है उनमें रांची के पिठोरिया थाना के मुंशी अजय पासवान, श्यामानंद पासवान, अमृत प्रसाद मेहता और पीसीआर-22 के आरक्षी नीरज कुजूर शामिल हैं।

जज ने पूर्व मंत्री आलमगीर की जमानत पर सुनवाई से खुद को किया अलग

रांची : हाईकोर्ट के न्यायाधीश रंगोन मुखोपाध्याय ने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। ईडी ने राज्य के तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री को 15 मई 2024 को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ़्तार किया था। निचली अदालत से जमानत याचिका खारिज होने के बाद आलमगीर आलम ने हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। एक मई को न्यायाधीश रंगोन मुखोपाध्याय की पीठ मे जमानत याचिका की सुनवाई निर्धारित थी। हालांकि न्यायाधीश ने इस मामले की सुनवाई से खुद को अलग करते हुए इसे दूसरे बेंच में भेजने का निर्देश दिया। इससे अब पूर्व मंत्री की जमानत याचिका पर सुनवाई गर्मी की छुट्टी के बाद होगी। ईडी ने ग्रामीण विकास विभाग में योजनाओं में कमीशन और मनी लॉन्ड्रिंग की आरोपों की जांच के दौरान आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल, करीबी जहांगीर आलम सहित अन्य के ठिकानों पर छापा मारा था। छापेमारी के दौरान जहांगीर के घर से 32 करोड़ रुपये नकद और संजीव लाल के कंप्यूटर और डायरी में विकास योजनाओं में कमीशन वसूले जाने का ब्योरा पाया गया था। इसके बाद ईडी ने तत्कालीन मंत्री अलामगीर आलम को समन भेज कर पूछताछ के लिए बुलाया था। दूसरे दिन की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ़्तार किया गया था।

जूनियर सोनेट क्रिकेट प्रीमियर लीग

डायनामोज की टीम ने रॉयल चैलेंजर्स को हराया

रांची : सोनेट जूनियर प्रीमियर क्रिकेट लीग के तहत आज खेले गए मैच में डायनामोज की टीम ने रॉयल चैलेंजर्स को 40 रनों से पराजित कर पूरे अंक अर्जित किया डायनामोज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 191 रन बनाए जिसमें विकास बारीक ने 81 और राजकुमार ने 68 रनों का योगदान किया हार्दिक ने 35 रन देकर दो विकेट लिए जवाबी पारी में रॉयल चैलेंजर की टीम ने 151 रन ही बना पाई जिसमें आरव ने 39 और जुबैद अंसारी ने 24 रनों का योगदान किया बीरू महतो को तीन और राज को दो विकेट मिले विकास को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

हाईकोर्ट ने प्राइवेट स्कूलों को दी राहत

प्राइवेट स्कूलों को एफलिएशन के लिए अब हर साल नहीं देनी होगी फीस

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के प्राइवेट स्कूलों को बड़ी राहत दी है। मिली जानकारी के अनुसार अब प्राइवेट स्कूलों को संबद्धता(एफलिएशन) के लिए हर साल फीस नहीं देनी होगी। यह फैसला झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन और अन्य निजी स्कूल संस्थाओं द्वारा दायर याचिका पर सुनाया गया है।

क्या था मामला?

प्राइवेट स्कूलों ने राइट टू एजुकेशन एक्ट 2019 के तहत राज्य सरकार के बनाए तीन नियमों को कोर्ट में चुनौती दी थी।

इनमें प्रमुख रूप से क्लास 1 से 5 तक हर साल 12,500 और क्लास 1 से 8 तक हर साल 25,000 की फीस संबद्धता के लिए स्कूलों से वसूलने का प्रावधान है। जिसपर कोर्ट ने हर साल फीस लेने के नियम को असंवैधानिक बताते हुए इसे खारिज कर

दिया है। मुख्य न्यायाधीश एम।एस। रामचंद्र राव की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया। जहां वकील सुमित गाड़ोदिया ने प्राइवेट स्कूलों की ओर से और अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार ने राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखा।

जमीन संबंधी नियमों पर क्या कहा कोर्ट ने?

वहीं जमीन संबंधी नियमों पर कोर्ट ने ग्रामीण प्राइवेट स्कूलों के लिए 60 डिसमिल और शहरी स्कूलों के लिए 40 डिसमिल जमीन रखने के नियम को वाजिब माना है। हालांकि, कोर्ट ने इन नियमों को लागू करने के लिए 6 महीने की मोहलत दी है।

संबद्धता समिति पर भी निर्देशः कोर्ट ने कहा कि प्राइवेट स्कूलों की संबद्धता के लिए बनी बड़ी समिति को छोटा किया जाए। अब यह समिति केवल 8 सदस्यों तक ही सीमित रहेगी। इसमें विधायक, सांसद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की संख्या घटाई जाएगी।

इस फैसले से झारखंड के हजारों प्राइवेट स्कूलों को राहत मिली है। अब उन्हें हर साल संबद्धता फीस नहीं देनी होगी, जिससे उन पर आर्थिक बोझ कम होगा। हालांकि, जमीन के नियम और समिति की संरचना में बदलाव के लिए तय समयसीमा में कार्रवाई करनी होगी।

बिहार में 16 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में जेएमएम!

रांचीः बिहार में इस वर्ष विधानसभा चुनाव होने है। वहीं इन चुनावों में हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो ने बिहार में 12 विधानसभा सीटों पर लड़ने का ऐलान कर दिया है। साथ ही 12 सीटों के नाम भी सार्वजनिक कर दिए है। वहीं इस मामले में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में 12 सीटों पर जेएमएम के उम्मीदवार उतरने तो तय है लेकिन पार्टी की 16 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी है।

प्रवक्ता मनोज पांडेय ने कहा कि पार्टी गठबंधन के तहत चुनावी मैदान में उतरेगी। जहां झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा बड़े भाई की भूमिका में थी वहीं अब बिहार में आरजेडी बड़े भाई की भूमिका में है। झारखंड में बड़े भाई का फर्ज अदा करते सभी को उचित सम्मान दिया और राजद को चार सीटें जितवाने में पूरा सहयोग दिया। साथ ही हेमंत मंत्रीमंडल में उनके एक मंत्री भी है। झारखंड चुनाव में हमारे नेता हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन स्टार प्रचारक की भूमिका में थे। साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसी ही आशा हम बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी से करते है। बिहार में तेजस्वी यादव की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। वही झारखंड मुक्ति मोर्चा के स्टार प्रचारक की सहभागिता बिहार चुनाव के दौरान रहेगी। उम्मीद है कि बिहार चुनाव में अधिक से अधिक सीटों पर जीत दर्ज कराएं।

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

सार्थक रूप देना होगा

आखिरकार केंद्र सरकार ने ब देश में जातीय जनगणना कराने का चिर- प्रतीक्षित निर्णय ले लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की कैबिनेट की बैठक में जातीय गणना को हरी झंड़ी दी गई। यानी अगले वर्ष संभावित जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना भी होगी। देश में आजादी के बाद पहली बार जातिवार गणना की जाएगी। पहलगाम कांड़ के बाद अचानक से लिये गए फैसले से हालांकि सियासी दलों से लेकर आमजन भी चौंक गए। क्योंकि अभी किसी को भी यह भान नहीं था कि सरकार इस तरह का कोई बड़ा फैसला लेगी। इससे पहले कई बार जाति सर्वेक्षण हुए हैं, लेकिन पूरी गणना नहीं की गई। स्वाभाविक तौर पर सरकार के इस कदम से सियासत में उबाल आ गया है। एक तरफ जहां विपक्ष इसे अपनी जीत बता रहा है वहीं सत्ताधारी भाजपा इतिहास का हवाला देकर कह रही है कि कांग्रेस ने हमेशा से जातिवार गणना का विरोध किया। बहरहाल, जाति भारतीय समाज की सच्चाई है। इसे न तो उपेक्षित रखा जा सकता है और न इसके खिलाफ जाया जा सकता है। जाति के आधार पर ही विकास के पैमाने तय होते हैं। जाति के आंकड़े. नियम बनाने और उन पर अमल करने के साथ ही देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद जरूरी होते हैं। इससे इस बात की सटीक जानकारी हासिल होती है कि कौन सी जातियां तमाम नीतियों, सुविधाओं और आरक्षण के बावजूद किस हालत में है और उनमें इतने वर्षों के दरमियान किस तरह का बदलाव आया है। अलबत्ता, इस काम में पांच साल का विलंब हो चुका है। यहां तक कि गृह मंत्रालय ने अभी भी यह नहीं बताया है कि वृहद गणना किस तारीख से कराई जाएगी। अच्छा होता सरकार इस बारे में भी कैबिनेट की पहली बैठक में ही स्थिति साफ करती। जहां तक राजनीति की बात है, विपक्ष खासकर कांग्रेस इस मसले पर लगातार आक्रामक रुख अख्तियार किए हुए थी। वहीं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव भी इसे अपनी जीत बता रहे हैं। चूंकि बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होना है, लाजिमी है इसका श्रेय लेने की होड़. मचेगी, मगर सभी- आम जन और सियासी दलों को इस तथ्य पर ज्यादा गंभीर और संवेदनशील होना होगा कि इस फैसले को राजनीतिक जंजाल में न फंसाकर इसे सार्थक रूप देने की पहल करें।

सेना को खुली छूट

प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान, आतंकियों और उनके आकाओं पर प्रहार करने की सेना को खुली छूट दे दी है। हमले का तरीका, जगह, लक्ष्य और समय सेनाएं ही तय करेंगी। प्रधानमंत्री ने देश की सेनाओं की क्षमताओं पर विश्वास जताया है। इतना जरूर स्पष्ट किया गया है कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। कश्मीर में ही उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को खुली छूट दी थी। हालांकि सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई हमले की अंतिम स्वीकृति प्रधानमंत्री से जरूर ली गई थी। प्रधानमंत्री ने बीते दो दिनों में दो बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। उन बैठकों में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी मौजूद रहे, लेकिन निर्णायक बैठक में तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे। जाहिर है कि प्रधानमंत्री के सामने संभावित हमलों के प्रारूप और रोडमैप रखे गए होंगे! अंततः सेना को स्वतंत्र छूट दी गई। बुधवार, 30 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी, राजनीतिक और आर्थिक मामलों की कैबिनेट समितियों की बैठकों में भी व्यापक विमर्श किया गया। कैबिनेट की पूरी बैठक भी की गई। अब सर्वोच्च स्तर पर यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत ने पहलगाम नरसंहार का बदला लेना तय कर लिया है। तीनों सेना प्रमुखों के प्रारूपों में जो संशोधन जरूरी लगे होंगे, वे कैबिनेट की बैठकों में कर लिए गए। अब हमारी सेनाओं का आक्रामक प्रहार क्या होगा, यह उसी पल ही सामने आएगा, जब हमला किया जाएगा। भारत अपनी तरफ से युद्ध का आगाज करने नहीं जा रहा है। जो आतंकवाद के चेहरे हैं, निशाने पर सिर्फ वही होने चाहिए। रक्षा विशेषज्ञ अपने लंबे, सैन्य अनुभवों के आधार पर आकलन कर रहे हैं कि आतंकियों के साथ-साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, वहां की फौज और सेना प्रमुख जनरल मुनीर हमारी सेनाओं के निशाने पर हो सकते हैं। ये ही आतंकवाद का क्रमबद्ध सिलसिला हैं। सेना के ऑपरेशन जमीन और हवा के अलावा समंदर से भी किए जा सकते हैं। हमारी सेनाओं ने दुश्मन का अच्छी तरह अध्ययन कर लिया होगा! हमारी सेनाओं के निशाने पर पाकिस्तान के 30 से ज्यादा महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं, जिन्हें सेनाएं मिसाइल हमलों में ही उड़ा सकती हैं। हमारी सेनाओं के पास ऐसे भी अस्त्र हैं, जिन्हें भारत की सीमा में रहते हुए भी छोड़ा जा सकता है। वे वाकई बेहद विध्वंसक हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार सैन्य ऑपरेशन व्यापक और बहुध्रुवीय हो सकता है। बहरहाल सेना जो भी करेगी, पूरी दुनिया के सामने होगा, लेकिन एक बार फिर दोहरा रहे हैं कि यह देश के एकजुट रहने का वक्त है। यह विवादास्पद, घटिया और मानहानि वाले पोस्टर पोस्ट करने का वक्त नहीं है। यह देश के प्रधानमंत्री को अपमानित करने का भी समय नहीं है। हां, हम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस आग्रह को समर्थन देते हैं कि संसद का एकदिनी विशेष सत्र बुलाया जाए और पाकिस्तान, आतंकवाद के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया जाए। ऐसे विशेष सत्र निर्भया कांड के बाद भी बुलाए गए हैं। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया, तो मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का नया विचार सामने आया। प्रधानमंत्री मोदी संसद के भीतर सैन्य रणनीति का खुलासा बिल्कुल न करें। विपक्ष से भी हमारी अपेक्षाएं हैं कि वे फिजूल का दबाव सरकार पर न डालें। एक राष्ट्र के तौर पर, संसद के जरिए, आतंकवाद और पाकिस्तान की भूमिका को पुरजोर बेनकाब करें। बेशक दुनिया भी हमारी संसद से गूंजने वाले हुंकारों को सुनेगी। यदि सरकार संसद का सत्र नहीं बुलाती है, तो कमोबेश अभी उसे सियासत का आधार न बनाएं। भारत को पलटवार कर प्रतिशोध लेने दें, पीड़ित परिवारों को कुछ तसल्ली मिलने दें। देश सामान्य हो जाएगा, तो सरकार का विरोध जायज होगा।

पाकिस्तान के साथ निर्णायक युद्ध की घड़ी

पाकिस्तान के एक मंत्री ने तो सार्वजनिक रूप से यह मान ही लिया है कि हम पिछले चालीस साल से ब्रिटेन-अमेरिका के कहने से भारत के खिलाफ यह गंदा काम कर रहे हैं। पाकिस्तान के इन गंदे कामों के कारण ही भारत में यह मांग उठ रही है कि हजार-पंद्रह सौ साल से चले आ रहे इस युद्ध को समाप्त करने का सही समय आ गया है। इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं। पाकिस्तान में भी बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनखवा, सिंध प्रदेश से यह मांग उठ रही है। यह सब इलाके पाकिस्तान में नहीं बने रहना चाहते। लेकिन भारत के अंदर इस संभावित निर्णायक युद्ध के समय क्या स्थिति है, इस पर चर्चा करने से पहले मुझे बाबा साहिब अंबेडकर का संविधान सभा की अंतिम बैठक में दिया गया ऐतिहासिक भाषण याद आ रहा है।

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने पहलगाम पर पाकिस्तान द्वारा किए गए परोक्ष आक्रमण करते हुए कहा कि यह झगड़ा एक हजार साल से चला हुआ है। दोनों पक्षों को इसे सुलझाना चाहिए। बहुत से लोगों ने इसके लिए ट्रंप पर विपरीत टिप्पणियां कीं। लेकिन लगता है ट्रंप ने जाने-अनजाने में इतिहास के एक बहुत बड़े तथ्य की ओर संकेत किया है। पाकिस्तान भारत के पश्चिमोत्तर का हिस्सा है। सन 712 में हिंदुस्तान पर अरबों का पहला हमला इसी क्षेत्र के सिंध प्रदेश पर हुआ था। सरल शब्दों में कहना हो तो आज के कराची शहर पर हुआ था। आज 2025 तक आते-आते उस हमले को हुए लगभग 1300 साल हो गए हैं। उसके बाद इस क्षेत्र में कभी शांति नहीं हो सकी। सन 1000 के आसपास तुर्कों ने इसी सप्त सिंधु क्षेत्र पर हमले करके इसे इस्लाम के घेरे में लाना शुरू किया था। पांच सौ साल तक यह दुखांत अबाध रूप से चलता रहा। लेकिन इन पांच सौ साल में हिंदुस्तान के पश्चिमोत्तर की बहुत सी जनसंख्या को डरा धमका कर या लालच से इस्लाम पंथ या शिया पंथ में मतांतरित कर दिया गया।

संघर्ष और विरोध भी होता रहा। सन 1500 के आसपास मुगलों ने हल्ला बोल दिया। उनके काल में तो इस्लाम में आ जाओ या फिर मरने की तैयारी करो का माहौल बनने लगा। लेकिन विरोध भी उतना ही तीखा होने लगा। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोबिंद सिंह जी तक की दशगुरु परंपरा इसी काल में शुरू हुई थी। लेकिन अब तक भारत का बहुत बड़ा हिस्सा मसलन बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनखवा, सिंध प्रदेश और पंजाब का बहुत बड़ा हिस्सा इस्लाम पंथ को ग्रहण कर चुका था। अठारहवीं सदी में भारत पर अंग्रेजों का कब्जा हो गया। वे बीसवीं शताब्दी के मध्य में देश से तो चले गए, लेकिन जाने से पहले पश्चिमोत्तर भारत या सप्त सिंधु क्षेत्र के उस हिस्से को जो पिछले हजार साल में इस्लाम की चपेट में आ चुका था, पाकिस्तान नाम देकर भारत से अलग कर गए। उसके बाद अरबों, तुर्कों या मुगलों को हिंदुस्तान पर हमला करने की जरूरत नहीं पड़ी या फिर उनमें अब उतनी हिम्मत नहीं रही थी, लेकिन उनका यह काम भारत के ही उस हिस्से ने संभाल लिया जिसे अंग्रेज इस्लाम के आधार पर अलग करके गए थे। उसके बाद पाकिस्तान द्वारा 1947-48, 1965, 1971 में किए गए हमलों और उसके बाद कारगिल युद्ध को देखा जा सकता है।

कारगिल के बाद तो अब तक आतंकवाद के रूप में यह युद्ध निरंतर चल रहा है। ट्रंप ने सही कहा है कि यह लड़ाई हजार-पंद्रह सौ साल से चली हुई है। अंतर केवल इतना ही है कि पहले हमले अरब, तुर्क या मुगल करते थे, लेकिन अब उनमें भारत पर हमले करने की हिम्मत तो नहीं बची है या फिर उन्हें शायद इसकी जरूरत भी नहीं है। अलबत्ता अब अपने ही वे लोग जिन्होंने इस कालखंड में इस्लाम ग्रहण कर लिया था, जब भारत पर हमला करते हैं तो तुर्क उनकी मदद पर आ जाते हैं। तुर्की इस समय यही कर रहा है। लेकिन अब मुख्य प्रश्न यही है कि क्या पंद्रह सौ साल से चली आ रही इस लड़ाई को खत्म करने का वक्त आ गया है? यह सवाल इसलिए भी जोर पकड़ रहा है क्योंकि इस समय देश में प्रधानमंत्री के पद पर नरेंद्र मोदी हैं और देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। भारतीय जनता पार्टी अपने जनसंघ काल से ही इस लंबी लड़ाई को निर्णायक रूप से खत्म करने के पक्ष में रही है। कुछ तथाकथित विद्वान इसकी व्याख्या यह कह कर करते हैं कि भारतीय जनता पार्टी इस्लाम पंथ और शिया पंथ के खिलाफ है। भाजपा किसी के खिलाफ नहीं है, वह भारत के पक्ष में है। भाजपा यह मानती है कि इस देश में भगवान की पूजा के हजारों तरीके हैं, उनमें नमाज पढ़ कर ईश्वर की आराधना भी एक है। इसी प्रकार ईश्वर के नाम भी अनेक हैं, उनमें से अल्लाह भी एक है। इसलिए विरोध का तो प्रश्न ही नहीं है। अलबत्ता भगवान की पूजा करने के जितने तरीके हैं, उन सभी के आधार पर देश के उतने टुकड़े नहीं किए जा सकते। पाकिस्तान नाम का टुकड़ा इसी आधार पर देश से अलग किया गया था। यह आधार ही गलत था। भाजपा मानती है कि यह घृणित कार्य साम्राज्यवादी यूरोपीय ताकतों ने किया था, जिन्हें भारत को कमजोर रखने के लिए इसकी जरूरत थी। पाकिस्तान के एक मंत्री ने तो सार्वजनिक रूप से यह मान ही लिया है कि हम पिछले चालीस साल से ब्रिटेन-अमेरिका के कहने से भारत के खिलाफ यह गंदा काम कर रहे हैं। पाकिस्तान के इन गंदे कामों के कारण ही भारत में यह मांग उठ रही है कि हजार-पंद्रह सौ साल से चले आ रहे इस युद्ध को समाप्त करने का सही समय आ गया है। इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं। पाकिस्तान में भी बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनखवा, सिंध प्रदेश से यह मांग उठ रही है। यह सब इलाके पाकिस्तान में नहीं बने रहना चाहते। लेकिन भारत के अंदर इस संभावित निर्णायक युद्ध के समय क्या स्थिति है, इस पर चर्चा करने से पहले मुझे बाबा साहिब अंबेडकर का संविधान सभा की अंतिम बैठक में दिया गया ऐतिहासिक भाषण याद आ रहा है। बाबा साहिब ने कहा था, मुहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध पर चढ़ाई के समय राजा दाहिर सेन के सैन्य कमांडरों ने मुहम्मद बिन कासिम के एजेंटों से रिश्वत ले ली और अपने स्वयं के राजा के पक्ष में लड़ने से मना कर दिया। वह जयचंद ही था जिसने भारत पर आक्रमण करने और पृथ्वीराज चौहान से लड़ने के लिए मुहम्मद गौरी को भारत में आमंत्रित किया और उससे स्वयं सोलंकी राजाओं के साथ उसकी सहायता करने का वादा किया। जब शिवाजी हिंदुओं की मुक्ति के लिए लड़ रहे थे, तो कई अन्य मराठा राजवंश और राजपूत राजा मुगल सम्राटों के साथ मिलकर उनके खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे। क्या इतिहास स्वयं को दोहराएगा? यह ऐसा विचार है जो मुझे चिंतित करता है। यह चिंता इस तथ्य के बोध से और अधिक गहरी हो जाती है कि जाति और पंथ के रूप में हमारे पुराने शत्रुओं के अतिरिक्त, अब हमारा साथ बहुत से राजनीतिक दलों व उनके विविध एवं विरोधी राजनीतिक पंथों के साथ भी जुड़ने जा रहा है। क्या भारतीय अपने देश को अपने पंथ से ऊपर रखेंगे या वे देश के ऊपर पंथ स्थापित करेंगे? मुझे नहीं पता। लेकिन यह बहुत निश्चित है कि यदि इन राजनीतिक दलों ने देश से ऊपर पंथ रखा, तो हमारी स्वतंत्रता को दूसरी बार संकट में डाल दिया जाएगा और संभवतः यह हमेशा के लिए खो जाएगी। इस परिस्थिति में हम सभी को दृढ़ता से हमारे रक्त की आखिरी बूंद के साथ हमारी स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए।

बाबा साहिब इसको लेकर चिंतित थे। उनकी चिंता जायज थी। आज इस निर्णायक घड़ी में देश की सबसे पुरानी पार्टी, जिसने 1947 में पाकिस्तान बनने से पहले की अपनी कार्यकारिणी की अंतिम बैठक में भारत के विभाजन और पाकिस्तान के निर्माण के पक्ष में प्रस्ताव पारित किया था, जिस प्रकार का व्यवहार कर रही है, वह चिंता पैदा करता है। कांग्रेस के इन वरिष्ठ और कनिष्ठ जनों के बयानों को पाकिस्तान का मीडिया सबसे ज्यादा भारत के विरोध में प्रयोग कर रहा है। लेकिन अभी देखना होगा कि ये लोग भारत के भविष्य की इस अंतिम निर्णायक लड़ाई में कितनी दूर तक पाकिस्तान को सहायता पहुंचाने वाली सिर तन से गायब वाली तस्वीरों का उत्पादन करते हैं। बहरहाल, भारतीय सेना निर्णायक लड़ाई की तैयारी में लगी है।

प्राथमिक स्तर से ही अनिवार्य हो कृषि शिक्षा

शिक्षा के पाठ्यक्रमों में कृषि से संबंधित विषयवस्तु अदृश्य है। छोटी अ से अमरूद और बड़ी आ से आम के साथ आरंभ होने वाली प्राथमिक शिक्षा में कृषि के बारे में ज्यादा कुछ नहीं है। यदि बच्चों के मन-मस्तिष्क में छोटी आयु और शिक्षण-कक्षाओं से ही कृषि ज्ञान-विज्ञान नहीं डाला जाएगा तो आगे बड़ी कक्षाओं में जाने पर वे विषय संबंधी रुचियों में से कृषि विषय में आत्मरुचि कैसे प्रदर्शित करेंगे। कक्षा एक से लेकर बारहवीं तक पूरे बारह वर्षों की समयावधि में कक्षा-प्रति कक्षा जब उन्हें कृषि व इसके विभिन्न उपक्रमों के बारे में पढ़ाया-लिखाया जाएगा, व्यावहारिक शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

विकेश कुमार बड़ोला

जीवन और जीवन के वास्तविक रूप शरीर व मन के स्वास्थ्य के लिए सर्वाधिक आवश्यक व अनुकूल पर्यावरण है। ऐसी अनुकूलता में भी सबसे महत्वपूर्ण है प्राकृतिक जल और भोजन। यह मानव को तब ही सहजता से उपलब्ध हो सकता है जब देश-विदेश में कृषि की समुचित व्यवस्था हो। इस लेख की प्रस्तावना का आशय यही है कि मनुष्य के जीवन में प्राकृतिक व पारंपरिक कृषि व्यवस्था अत्यंत अनिवार्य है। इस देश में राजनीतिक अकर्मण्यता, भ्रष्टाचार और आधुनिक विकास के तकनीकी, प्रौद्योगिकीय कोण पर ही केंद्रित रहने की शासकीय महत्वाकांक्षाओं ने उद्योगों को चहुंदिश प्रश्रय दिया और इसकी तुलना में कृषि क्षेत्र को उपेक्षित छोड़ दिया गया। खेती-किसानी की ऐसी उपेक्षा का प्रभाव भारतीय शिक्षा नीति पर भी पड़ा। फलतः प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रमों में कृषि से संबंधित विषयवस्तु अदृश्य है। छोटी अ से अमरूद और बड़ी आ से आम के साथ आरंभ होने वाली प्राथमिक शिक्षा में कृषि के बारे में ज्यादा कुछ नहीं है। यदि बच्चों के मन-मस्तिष्क में छोटी आयु और शिक्षण-कक्षाओं से ही कृषि ज्ञान-विज्ञान नहीं डाला जाएगा तो आगे बड़ी कक्षाओं में जाने पर वे विषय संबंधी रुचियों में से कृषि विषय में आत्मरुचि कैसे प्रदर्शित करेंगे। कक्षा एक से लेकर बारहवीं तक पूरे बारह वर्षों की समयावधि में कक्षा-प्रति कक्षा जब उन्हें कृषि व इसके विभिन्न उपक्रमों के बारे में पढ़ाया-लिखाया जाएगा, व्यावहारिक शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और कृषि कार्यों के संबंध में आयोजित होने वाली विभिन्न कार्यशालाओं में जाने का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा, तब ही तो वे कृषकीय कार्यों के बारे में अपेक्षित ज्ञान से संचित हो पाएंगे। ऐसा होने पर ही उनका मनोविज्ञान खेती के संपूर्ण साहित्य से सिंचित हो पाएगा। बच्चे यदि शुद्ध आहार-विहार अपनाने के प्रति जागरूक नहीं हैं तो इसका प्रमुख कारण यही है कि उन्हें बालपन से ही विद्यालयों में इस संबंध में शिक्षित नहीं किया गया। इसीलिए उन्हें कृषि वर्ग की प्रमुख फसलों, खाद्यान्नों, फल-फूल, वन-वनस्पतियों, औषधियों के गुण-दोषों की जानकारी भी नहीं है और संभवतः यही कारण भी है कि वे खानपान की बुरी आदतों से ग्रस्त हैं। घर में या विद्यालयों में उन्हें इस संदर्भ में औपचारिक ढंग से ही बताया जाता है। अभिभावक, शिक्षक और नीति-नियंता ही जब कृषि क्षेत्र की उपेक्षा किए बैठे हों तो बच्चे इस बारे में अपेक्षानुरूप ज्ञान कैसे प्राप्त कर सकते हैं। यह अत्यंत विचारणीय है। देश के केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से लेकर राज्यों के शिक्षा मंत्रालयों को इस दिशा में गंभीर होकर चिंतन-मनन करना ही होगा। इस काल के मनुष्य जीवन का दुर्भाग्य ही है कि उद्योगों, निर्माणियों, कारखानों, कार्यालयों और प्रगति संबंधी विभिन्न परियोजनाओं के लिए आए दिन वनक्षेत्र काटे जा रहे हैं। इसके लिए रोजाना ही कृषि क्षेत्र में कमी हो रही है। प्रकृति का असंतुलन कई दशकों से सार्वजनिक चिंता के केंद्र में है ही। प्राकृतिक असंतुलन के कारण जनजीवन प्रतिक्षण असुरक्षित होता जा रहा है। ऋतु की विकृतियां भयंकर रूप में सामने आ रही हैं। धरती, आकाश, जल, वायु, अग्नि, ये सभी तत्व हर दिन मलिन हो रहे हैं। परिणामस्वरूप धरती का फसल-चक्र बिगड़ चुका है। फसलों की प्राकृतिक शक्ति लगभग समाप्त ही हो चुकी है। खाद्यान्न उत्पादन पूरी तरह कृत्रिम, रसायनमिश्रित और विषैले उर्वरकों व खाद पर निर्भर हो चुका है। पारंपरिक और नैसर्गिक खाद्यान्न-बीज विलुप्त होने की कगार पर हैं। ग्राम, ग्राम्य जीवन, ग्रामीण व्यवस्थाओं का समापन अंतिम स्तर पर है। सार्वजनिक चेतनहीनता के इस कालखंड में पूरी तरह सिद्ध हो चुका है कि विज्ञान केवल और केवल अभिशाप बनकर मनुष्य के सिर पर मंडरा रहा है। चारों ओर आधुनिक जीवन द्वारा उत्पन्न की गईं समस्याओं, रोगों और महामारियों की असुरक्षा फैली हुई है। जीवन का स्वाभाविक आनंद क्या होता है, इससे मनुष्य अनभिज्ञ है। हरेक खाद्य और पेय पदार्थ शरीर का पोषण करने के बजाय उसे असाध्य रोगों से खत्म कर रहा है। देश में जितने भी कृषि विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और अन्य शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान हैं, हालांकि उनमें कृषिगत विषयों का पठन-पाठन तो हो रहा है और यथासंभव प्रायोगिक प्रशिक्षण भी हो रहे हैं, पर वे कहीं न कहीं प्राकृतिक विज्ञान से रहित हैं। ऐसे पठन-पाठन में कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए येन-केन-प्रकारेण कृत्रिम कृषिकर्म की ही जानकारी दी जा रही है। बीज, खाद और फसलों के रक्षण-संरक्षण और उत्पादन के लिए रासायनिक पदार्थों का सहारा लिया ही लिया जा रहा है। कृषि संस्थानों, प्रतिष्ठानों और उद्यमों में बीजों पर प्रयोग का जैसा अभ्यास कुछ दशकों से किया जा रहा है, उससे कृषि उत्पादों में कोई न कोई हानिकारक तत्व स्थायी रूप में पहुंच रहा है। चूंकि यह प्रक्रिया वर्षों पुरानी हो चुकी है और कृषि से जुड़े हरेक व्यक्ति को इसमें अधिक शारीरिक व मानसिक श्रम नहीं करना पड़ता, इसलिए इसमें उत्पाद को पूर्णतः हानिरहित करने के नवीन प्रयास नहीं किए जा रहे हैं। आखिर में इसके अप्रत्याशित दुष्परिणाम मनुष्य की काया ही झेल रही है। इसके अलावा जो व्यापारी गांवों, नगरों-महानगरों के असंगठित क्षेत्रों में मिलावटी और जहरीला अनाज बेच रहे हैं और जितने बड़े व व्यापक स्तर पर, जितनी ज्यादा आबादी को बेच रहे हैं, मिलावटी अनाज और अनाज में प्रयोग होने वाले प्राणघाती अवैध रसायनों का कारोबार भी उसी मात्रा में बढ़ रहा है। ऐसी मानव विरोधी व्यापारिक, औद्योगिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने व इनका नियंत्रण करने के बजाय सरकारें मिलावटी अनाज खाकर स्थायी रूप में बीमार रहने वाले लोगों का इलाज करने की आड़ में बेहिसाब प्राइवेट हॉस्पिटलों को खोलने की मुहिम भी चलाए हुई हैं। बचपन से बच्चों को कृषि शिक्षा से वंचित रखकर, बड़े होकर उन्हें मिलावटी अनाज पर निर्भर करके और आखिर में जहरीले खाने-पीने के बाद क्षतिग्रस्त अंगों के इलाज के लिए उन्हें निजी अस्पतालों की मनमर्जी पर छोडकर किस तरह की सरकारी जिम्मेदारी निभाई जा रही है, यह सवाल देश के हरेक संवेदनशील व्यक्ति को भीतर-बाहर बुरी तरह कचोट रहा है। देश, समाज और घर-परिवारों में जो तरह- तरह की बुराइयां, समस्याएं व विसंगतियां पनपी हैं और तेजी से पनप रही हैं, उनका प्रमुख कारक यही परिस्थिति है।

हमारे अस्तित्व का केंद्र

चिंतन-मनन

श्रीश्री रवि शंकर

जब भी तुम उदास हो जान लो कि तुम अपने आसपास उदासी के परमाणु उत्पन्न कर रहे हो। तुम्हारे इंद-गिर्द मंडरा रहे ये उदासी के कण जाकर वातावरण में चिपक जाते हैं। तुम्हारे कमरे से बाहर चले जाने के याद भी यदि कोई उस कमरे में दाखिल होगा तो वह भी बिना वजह उदास महसूस करने लगेगा। क्या तुमने ऐसा महसूस किया है? किसी कमरे में दाखिल होते ही अचानक तुम्हें क्रोध के स्पंदन महसूस होने लगते हैं। कुछ मिनटों पहले तुम ठीक थे, लेकिन जैसे ही तुमने अंदर कदम रखा, सारा क्रोध, तनाव, टेंशन तुम पर हावी हो गया। आज कल वातावरण के बारे में काफी चर्चा है। पर्यावरणविद सभी जगहों पर कार्य में लगे हुए हैं। जंगलों की रक्षा, हरियाली को और अधिक बढ़ाने की वस्तुओं और प्लास्टिक को पुनःचक्रित करने की। प्राकृतिक और जैविक पदार्थों का उपयोग करने की बातें हो रही हैं। कुछ साल पहले यह समस्या बिलकुल नहीं थी। अब सभी राष्ट्र इस ग्रह को बचाने की सहमति में हैं। जिस प्रकार हम पृथ्वी और जल को प्रदूषित करते हैं, उसी प्रकार हम भावनाओं के सूक्ष्म वातावरण को भी प्रदूषित करते हैं। मनुष्य अपने ही वातावरण का शिकार बन गया है। ऐसा नहीं है कि उसका मन काबू में नहीं है, लेकिन वह वातावरण का शिकार बन गया है। हम अपनी नकारात्मक भावनाओं से अपने वातावरण को सूक्ष्म रूप से प्रदूषित करते हैं, लेकिन इस वातावरण को साफ होने में कुछ समय लग जाता है। कभी-कभी तुम्हारे लिए तनाव युक्त और नकारात्मक होना अनिवार्य हो जाता है। ऐसा कोई नहीं चाहता, लेकिन ऐसा होता है तो इसको कैसे संभालें। जीवन में हम अन्य बातों के बारे में बहुत सुनते हैं, लेकिन अपने आप को सुनने के लिए बहुत कम समय बिताते हैं। यह सबसे बड़ा दुर्भाग्य है तो उपाय क्या है? यहां हम मूलभूत सिद्धांत से चूक जाते हैं जो हमारे वातावरण का नियमन करता है। हमारा मन, हमारी भावनाएं और सामान्य रूप से हमारा जीवन हमारे शरीर में नकारात्मक भावनाओं के मुकाबले आनंद और शांति के स्पंदनों को अधिक देर तक बनाए रखने की क्षमता है क्योंकि सकारात्मकता हमारे अस्तित्व के केंद्र में है। ठीक उसी तरह जैसे एक अणु के ढांचे में प्रोटोन और न्यूट्रोन अणु के केंद्र में होते हैं और इलेक्ट्रोन उसकी परिधि में हमारे जीवन का भी ऐसा ही है।

आपके पत्र

पूरा प्रतिपक्ष सरकार के साथ

पहलगाम पर पाकिस्तानी उग्रवादियों के हुए हमले के विषय में लगभग समस्त भारत प्रधानमंत्री और भारत सरकार के साथ एकमत होते हुए साथ खड़ा है। लगभग सारा इंडिया गठबंधन भी केंद्र सरकार के साथ रहकर हर समर्थन और सहयोग करने को एकदम तैयार है। इन विशिष्ट हालात में स्थानीय नेताओं द्वारा कोई भी विवादास्पद और अप्रिय बयान कभी नहीं दिए जाने चाहिएं।

ऐसी बातें राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को बदनाम और असहज ही करती हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के देश के सबसे बड़े नेता मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी ने अपना स्पष्ट मत देश के सामने रख दिया है। लोकसभा और राज्यसभा के प्रतिपक्ष के सभी नेताओं ने भी प्रधानमंत्री का इस विषय में पूरा समर्थन कर दिया है, तो स्थानीय नेताओं को भी भ्रामक और विवादास्पद बातें कहने-लिखने से परहेज करना होगा।

मिताली वर्मा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज ब्रीफ

लायंस क्लब का नि:शुल्क आंख एवं दंत जांच शिविर संपन्न

दुमका : लायंस क्लब(सं.प) दुमका के द्वारा गुरुवार को क्लब की अध्यक्षा डॉ. अमिता रक्षित की अध्यक्षता में आदर्श पब्लिक स्कूल जरमुंडी में क्लब के पूर्व मेंबर स्वर्गीय अमर कुमार गुप्ता के स्मृति में निशुल्क नेत्र एवं दंत जांच शिविर एवं बच्चों के बीच पेंटिंग एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम में दंत रोग विशेषज्ञ लायन डॉ. श्वेता स्वराज नेत्र रोग विशेषज्ञ लायन दिवाकर वत्स ने सभी बच्चों का नेत्र एवं दांत का जांच किया ' कार्यक्रम में लायंस क्लब के सचिव लायन चंदन कुमार शाह ,कोषाध्यक्ष लायन डॉक्टर अमोल कुमार पाल , लायन डॉक्टर मनोज कुमार घोष , लायन सदाशिव गुप्ता, लायन , लायन सतीश कुमार , लायन अबीर कुमार बॉस ,लायन सुनील कुमार शाह,लायन सुनील जायसवाल, लायन की शिव सरिता आदि मेंबर उपस्थित थे।

मजदूरों को अंग वस्त्र एवं मिठाई खिलाकर किया सम्मानित

साहिबगंज : आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे के नेतृत्व में मजदूर दिवस के अवसर पर खदान एवं क्रेशर प्लांट में कार्यरत मजदूर भाइयों को अंग वस्त्र एवं मिठाई खिलाकर उन्हें सम्मानित किया।जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे ने कहा की आजसू पार्टी हर वर्ष अपने मजदूर भाइयों को मजदूर दिवस के अवसर पर राज्य के सभी जिलों में सम्मानित कर उनके प्रति आभार व्यक्त करता है.क्योंकि मजदूरों के परिश्रम से ही राष्ट्र का निर्माण की परिकल्पना निश्चित होती है.क्योंकि कोई भी देश का विकास तभी होता है जब वहां के मजदूर अपने कठिन परिश्रम से कार्य करते हैं।कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष शशिकांत दुबे,वकील मंडल,शशिकांत, किशोर शर्मा,राजेंद्र यादव, कैलाश स्वर्णकार,गंगाराम मुर्मू, गोविंद सिंह,नारायण सिंह, मोहम्मद जैनुद्दीन,मोहम्मद कैमूर, बीपी पहाड़िया,बुझना पहाड़िया, गोविंद पासवान,संतोष पासवान, सोनू मिश्रा,कृष्ण कुमार पांडे आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक महत्व कदम है : हीरालाल

साहिबगंज : भारतीय ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नन्दलाल साह व युवा प्रदेश अध्यक्ष हीरालाल साह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी वर्षों से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए जाति जनगणना कराने की महत्वपूर्ण फैसला लिया है।यह फैसला समाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक महत्व कदम है।श्री नन्दलाल साह ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस निर्णय से देश के विभिन्न वर्गों की समाजिक और आर्थिक स्थिति को समझने में मदद मिलेगी जिससे नीतियों और कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा.साथ ही देश के समस्त राजनीतिक दल के नेताओं जिन्होंने जातिगत जनगणना कराने हेतु आवाज बुलंद किया, सड़क से सदन तक आवाज उठाने की कार्य किया है उन सभी को भी आभार है.भारतीय ओबीसी महासभा संगठन के प्रदेश अध्यक्ष, झारखण्ड के नन्दलाल साह एवं युवा प्रदेश अध्यक्ष हीरालाल साह के द्वारा जातिगत जनगणना कराने की मांग अनेकों बार प्रधानमंत्री के नाम साहेबगंज उपायुक्त के द्वारा ज्ञापन दिया गया है। अनंत भारतीय ओबीसी महासभा की मांग को प्रधानमंत्री के द्वारा निर्णय लिया गया.इस कार्य को पूर्ण होने से सभी वर्गों को अपना अपना अधिकार मिलेगा.जो वर्षों से अधिकार विहीन थे।

सेवानिवृत प्रधान सहायक को विदाई दी गई

हरिहरगंज : पलामू जिले के हरिहरगंज ब्लॉक सभागार में बुधवार को प्रखंड के प्रधान सहायक सरयू बैगा के सेवानिवृत्त होने पर समारोह आयोजित करके विदाई दी गई। बीडीओ पारितोष प्रियदर्शी, सीओ मनिष सिंहा एवं एमओ ब्रजेश कुमार ने सरयू बैगा को शौल एवं अन्य सामान देकर सम्मानित किया। बीडीओ ने उपस्थित कमीयों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधान सहायक काम के प्रति हमेशा सजग रहते थे, इनका कार्यकाल काफी सराहनीय रहा है। मौके पर प्रखंड कर्मी सहित कई लोग उपस्थित थे।

लालगढ़ स्टेशन के समीप रेलवे ट्रैक के बीच मे फंसा पिकअप

विश्रामपुर : जिले के लालगढ़ बिहार हॉल्ट के समीप जल्दबाजी में अनमैंड रेल फाटक पार करने के दौरान ट्रैक के बीच एक पिकअप फंस जाने से करीब आधे घंटे तक यातायात बाधित रहा। हालांकि बड़ी दुर्घटना होने से टल गई है। करीब 03: 27 बजे लालगढ़ स्टेशन के समीप रेल लाइन खाली देखकर एक पिकअप पार कर गढवा जिले के डंडा तरफ जा रही थी। इसी बीच वह रेल पटरियों के बीच बुरी तरह फंस गया। प्रारंभिक जानकारी में यह बात सामने आई कि हताशा में चालक ने आसपास के लोगों से फंसे पिकअप को किसी तरह धक्का देकर निकालने की गुहार लगाई तब वहां पहुंचे लोगों ने उसे 03:45 बजे काफी मशक्कत के बाद निकाला।
संयोगवश उस समय कोई गाड़ी नहीं गुजर रही थी नहीं तो बड़ी घटना होने से कोई इनकार नहीं करता। गैंग मैन ने इसकी जानकारी विभागीय अधिकारी को दिया तब जाकर दोनों तरफ से परिचालन बन्द कराया गया। बीडीएम सवारी गाड़ी करीब घंटे भर तक गढवा रोड में खड़ी रही। टीआई अनिल तिवारी ने बताया कि उन्हें इसकी सूचना मिली थी। तब अविलंब उन्होंने इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दिया। इसी बीच गढवा रोड पैनल में तकनीकी खराबी आने से मालगाड़ियों का बंच लग गयी। काफी देर तक कई स्टेशनों पर गाड़ियां खड़ी हो गयी। इसके पहले भी वहां कई बार हादसा हो चुका है।

जल्द ही सड़कों का पुनर्निर्माण कराया जाएगा : मंत्री दीपिका पांडेय सिंह

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : शहर के जिला परिषद स्थित उत्सव बैंक्विट हॉल में मंथन संगठन सृजन कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस जिला अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान की अध्यक्षता में हुई।इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे, अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह साहिबगंज जिला कमेटी के प्रदेश प्रभारी मणिशंकर उपस्थित रहे।संगठन सशक्तिकरण के लिए आयोजित इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस जिला के प्रभारी मणिशंकर ने एजेंडा बताते हुए यह उपस्थित प्रखंड अध्यक्ष मंडल अध्यक्ष एवं अगड़ी संगठन के पदाधिकारी को निर्देश दिया की अभिलंब प्रखंड कांग्रेस कमेटी का गठन कर सूची जमा करें ।जो आगामी 15 में तक पंचायत कमेटियों की सूची जमा करें 6 मई को प्रदेश कांग्रेस द्वारा आयोजित संविधान बचाओ रैली में बढ़ चढ़कर साहिबगंज के कांग्रेसी कार्यकर्ता अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। मणिशंकर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि विगत कुछ वर्षों से मल्लिका अर्जुन खड़गे एवं राहुल गाँधी के नेतृत्व में देशभर में जातीय जनगणना करने का संघर्ष सड़क से सदन तक कांग्रेस पार्टी ने किया कल कांग्रेस पार्टी की

बहुत बड़ी जीत हुई जब मोदी सरकार को कांग्रेस की मांग को मनाना पड़ा और मोदी सरकार के कैबिनेट ने घोषणा किया की पूरे देश में जातीय जनगणना कराई जाएगी मणि शंकर ने बैठक में प्रस्ताव लाया कि इस कांग्रेस की जीत के लिए माननीय मल्लिकार्जुन खड़गे व राहुल गांधी के प्रति आभार प्रकट किया गया ।साथी सिर्फ नेतृत्व को बधाई दी गई कि कांग्रेस की यह बहुत बड़ी विजय है उपस्थित सभी पदाधिकारी ने हाथ खड़ा करके इस प्रस्ताव को अपना समर्थन प्रदान किया और पारित किया।इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री एवं साहिबगंज जिला कांग्रेस के प्रभारी मंत्री दीपिका पांडे ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता इस पार्टी के रीड हैं और कांग्रेस कार्यकताओं को किसी भी तरीके की ग्रामीण विकास मंत्रालय से मदद की जरूरत होगी तो बतौर मंत्री हम उनकी मदद करेंगे साथी उन्होंने आगामी 6 तारीख को रांची में आयोजित संविधान बचाओ रैली में कांग्रेस कार्यकताओं को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का न्योता दिया ग्रामीण विकास मंत्री ने साहिबगंज जिला के बदहाल सड़कों पर चिंता व्यक्त की एवं विश्वास व्यक्त किया कि जल्द ही उचित कदम उठाकर के इन सड़कों का पुनर्निर्माण कराया जाएगा।बैठक की समाप्ति राष्ट्रगान से हुई एवं धन्यवाद ज्ञापन मोहम्मद कलीमुद्दीन ने किया.इस बैठक में मुख्य रूप से मोहम्मद कलीमुद्दीन, बासुकीनाथ यादव,अशोक पासवान,अजय यादव,नित्यानंद गुप्ता, सरफराज आलम,अनिल ओझा,मो सलाउद्दीन,रंजीत टुडू, शहनवाज नासिर,नावेद अंजुम डालिम,दिलदार आलम,नेहाल अख्तर,मिथुन मंडल,निताई सरकार बीवी नूरजहां सद्दाम हुसैन,डॉ विमल देव भगत, परवेज आलम,एनुअल हक अंसारी,मोहम्मद बदरुद्दीन, अनीता साह,अनिता कुमारी, मोहम्मद बदरूद्दोजा, मोहम्मद रियाज,आरिफ आलम,तनवीर राजा,ताबिश इकबाल, गुलाम रब्बानी, मुक्लेसुर रहमान, परवेज आलम, सनाउल्लाह अंसारी, मंटू यादव, मुख्तार अहमद, मोहम्मद नौशाद,सूरज पासवान, खालिक शेख, अली कुरेशी,मो कुर्बान, सोनू कुमार ओझा,कुमार निशांत, मोहम्मद मुरसलीन,लक्ष्मण मंडल,देवेंद्र प्रसाद ठाकुर,शाहिद अख्तर,अजय मंडल,कौसर आलम,मोहम्मद रफी शम्स,अजहर अहमद खान,सतीश कुमार पासवान,प्रदीप कुमार,राजीव कुमार गुप्ता,महेंद्र पासवान, मनोज ओझा, मोहम्मद अजीज अंसारी,पंकज कुमार,संजय कुमार,राम सिंगार ओझा,प्रेम बबलू सोरेन,थॉमस टुडू,भोलानाथ महतो,अजीत कुमार रॉय,सहित जिले के सभी प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष,मंडल अध्यक्ष,महिला अध्यक्ष एवं सभी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं दर्जनों कांग्रेसजन शामिल रहे।

कलशयात्रा का महासभा ने किया स्वागत

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के तत्वावधान में अहीर रेजिमेंट, जातिगत जनगणना व समाज में राजनैतिक जागरूकता के उद्देश्य से अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा द्वारा रेजांगला युद्ध 1962 में शहीद 114 सैनिकों की समाधि अहीर धाम लद्दाख की पवित्र माटी की कलशयात्रा बिहार राज्य के भ्रमण के पश्चात गुरुवार को साहेबगंज पाकुड़ के रास्ते दुमका जिला में प्रवेश किया। प्रदेश महासचिव सह संताल परगना प्रभारी डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव व जिलाध्यक्ष शिवनारायण दर्बे के नेतृत्व में दुमका जिला के पदाधिकारियों ने पाकुड़ जाकर दुमका लाया गया। इसके पहले राज्य सीमा पर प्रदेश अध्यक्ष यादव पीताम्बर दास, संताल परगना प्रभारी डॉ अमरेन्द्र यादव प्रो. मीरा राय प्रदेश अध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ), अनीता यादवप्रदेश महिला प्रभारी (कलश यात्रा), नीतू सिंह यादव महासचिव (सोसलमिडिया प्रभारी) सहित महासभा के स्थानीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में स्वागत किया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र यादव पंकज यादव शेखर यादव जुआ जिला अध्यक्ष ललित यादव शेष ज्यादा पंकज कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। संताल परगना प्रभारी डॉ. अमरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि 2 और 3 मई को रथ दुमका जिला में भ्रमण करेगा। 4 को गोड्डा जिला में प्रवेश करेगा। शुक्रवार को सुबह यह कलश यात्रा रथ बासुकीनाथ पहुचेंगे। भोले नाथ के दर्शन के उपरांत यादव धर्मशाला बासुकीनाथ के प्रशाल में स्वागत, दर्शन एवं शहीदों को श्रद्धांजलि दिया जाएगा। तत्पश्चात यह कलश यात्रा विभिन्न गांवों का भ्रमण करने का करते हुए दूसरे प्रखंडों में प्रवेश करेगा। इस अभियान को ऐतिहासिक व जन जन तक पहुँचाने में समाज के लोग प्रयत्नशील हैं। झारखंड प्रदेश के बाद देश के 19 राज्यों में भ्रमण कर 18 नवम्बर रेजांगला दिवस पर जंतर-मंतर दिल्ली पर विशाल सभा के साथ यह कलश यात्रा सम्पूर्ण होगी।

स्वास्थ्यकर्मियों व आमजन आगे आकर रक्तदान शिविर में भाग लें : सिविल सर्जन

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज सदर अस्पताल साहिबगंज ,अनुमंडलीय अस्पताल, राजमहल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है।अनुमंडलीय अस्पताल राजमहल में शिविर का उद्घाटन सिविल सर्जन साहिबगंज द्वारा किया गया।कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है। जिससे किसी की जान बचाई जा सकती है। सभी स्वास्थ्य कर्मियों और नागरिकों को चाहिए कि वे आगे आकर इस कार्य में भाग लें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों से विशेष रूप से अपील की कि वे नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।शिवीर में दो स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा सिविल सर्जन की उपस्थिति में उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान किया।रक्तदान के उपरांत डोनर को एक गिफ्ट और डोनर कार्ड प्रदान किया गया। ताकि उनके योगदान को सम्मानित किया जा सके और वे भविष्य में भी प्रेरित हो सकें।शिविर में उपाधीक्षक एसडीएच राजमहल, लिपिक, फार्मासिस्ट अन्य अस्पताल कर्मी एवं आम नागरिक उपस्थित थे।

बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन कराना सुनिश्चित करें: बीडीओ

श्री बंशीधर नगर : प्लस टू उच्च विद्यालय के सभागार में बुधवार को झारखंड शिक्षा परियोजना व समग्र शिक्षा के तहत रुआर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी रौशन कुमार, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी तहमीना परवीन, बीआरपी श्रीकांत चौबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। बीआरपी श्रीकांत ने कार्यशाला में उपस्थित प्रधानाध्यापकों को रुआर कार्यक्रम की जानकारी विस्तार से दी। कार्यशाला को संबोधित करते हुये प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि आप सभी अपने पोषक क्षेत्र के सभी अनामांकित बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन कराना सुनिश्चित करेंगे। नामांकन कराने के बाद बच्चे प्रतिदिन विद्यालय आएं इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।
उन्होंने कहा कि आप सभी शिक्षक समाज के दर्पण हैं। आप ऐसे बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं जिनके माता पिता, अभिभावकों को शिक्षा से कोई जुड़ाव नहीं है। विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थिति के लिये विभाग प्रयास जैसे कार्यक्रम चला रही है। विद्यालय नहीं आने वाले बच्चों के माता पिता से मिलकर उन्हें अपने बच्चों को विद्यालय भेजने का आग्रह करना चाहिए। बीआरपी श्रीकांत ने कहा कि रुआर कार्यक्रम विद्यालय स्तर पर 25 अप्रैल से 10 मई तक चलेगा। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन विद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जाना है।

13 दोपहिया वाहन किया गया जब्त

मेदिनीनगर : यातायात प्रभारी समाल अहमद के नेतृत्व में बुधवार को कचहरी चौक के समीप वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस क्रम में 13 दोपहिया वाहन को जब्त करते हुए शहर थाना परिसर में लगा दिया गया है। 13 दोपहिया वाहन चालक बिना हेलमेट,बिना लाइसेंस एवं कुछ ट्रिपल लोड दो पहिया वाहन चलाते हुए पकड़ा गया है। बाद में सभी गाड़ी को जब्त करते हुए शहर थाना परिसर लगाते हुए चालान काटकर डीटीओ कार्यालय भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल को जिला परिवहन कार्यालय से 05 दोपहिया वाहन मोटरसाइकिल गाड़ियों का चलान 9 हजार 150 रुपया एवं 02 मोटरसाइकिल गाड़ी को शराब पीकर मोटरसाइकिल चलाते हुए पकड़ा गया था। चालान फाइन 21 हजार 372 रुपया एवं 01 टेंपो सवारी गाड़ी का चालान फाइन 4 हजार 150 रुपया वसूल किया गया है।

सहायक अध्यापकों के आश्रितों को अब तक लाभ नहीं मिला : अशोक

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पाण्डेय विभागीय बैठक में भाग लेने साहिबगंज पहुंचने पर झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के राज्य व साहिबगंज जिला प्रतिनिधि ने संयुक्त रूप से जिला अध्यक्ष अशोक कुमार शाह के नेतृत्व में अपनी दस सूत्री मांग पत्र सूबे के ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका सिंह पांडेय सौपा गया.मांग पत्र की प्रतिलिपि मंत्री,स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार,सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार,निदेशक,झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची को भी भेजा गया.मांग पत्र में सहायक अध्यापकों के द्वारा झारखंड के तमाम सहायक अध्यापकों को समान काम का समान वेतन एवं 28 अगस्त 2024 को तय समझौते को लागू करने समेत अन्य समस्याओं के समाधान के संबंध में अनुरोध किया गया है। वही झारखंड राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ के प्रदेश महासचिव विकास कुमार चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री के द्वारा विगत विधानसभा चुनाव 2019 के दौरान पारा शिक्षकों को स्थाई करते हुए समान काम का समान वेतन देने का वादा किया गया था।किंतु मुख्यमंत्री हेमंत सोरेंन के द्वारा अब तक यह वादा पूरा नहीं किया गया है जिसके झारखंड के 62000 सहायक अध्यापकों में सरकार के खिलाफ असंतोष व्याप्त है।उन्होंने कहा की बिहार सरकार के द्वारा सरकारी शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में दक्षता आकलन पास शिक्षकों को शामिल होने का अवसर दिया गया है।टेट पास के समान सभी आर्थिक लाभ दिए जाते हैं जबकि झारखंड सरकार एवं उनके अधिकारी के द्वारा समझौते के बाद भी इसका अनुपालन अब तक नहीं किया गया है.श्री चौधरी ने कहा की झारखंड में शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टेट परीक्षा विगत 2016 के बाद आयोजित नहीं की गई।अतः आकलन पास सहायक अध्यापकों को सहायक आचार्य नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल करते हुए टेट के समान मानदेय भुगतान किया जाए.वही जिला अध्यक्ष अशोक साह ने कहा की झारखंड सरकार के द्वारा प्राकृतिक आपदा सड़क दुर्घटना में मृत आम नागरिकों को

4 लाख आर्थिक लाभ प्रदान किए जाते हैं। किन्तु 15/ 20 वर्ष काम कर चुके पारा शिक्षकों सहायक अध्यापकों के साथ अगर इस तरह की दुर्घटना अथवा सामान्य मृत्यु होती है। तो सरकार कफन का भी पैसा नहीं देती है।अशोक साह ने कहा की सरकारी अधिकारियों कर्मचारियों व सेवानिवृत कर्मचारी को सरकार न्यूनतम अंशदान पर न्यूनतम 6 लाख और अधिकतम 10 लाख की मेडिकल सुविधा प्रदान कर रही है लेकिन गरीब सहायक अध्यापकों को इससे वंचित रखा गया है।यह कैसा सामाजिक न्याय है ?28 अगस्त 2024 की बैठक में अनुकम्पा के तहत संविदा आधारित पदो पर सहायक अध्यापकों के आश्रित परिवार को 30% आरक्षण दिये जाने का विरोधाभासी समझौता अधिकारी के द्वारा करवाया गया था।जबकि अनुकंपा के तहत आश्रित परिवार को संविदा आधारित पदों पर सीधी नियुक्ति की जानी चाहिए.इसके पूर्व भी सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2021 कैबिनेट से पारित होने के बाद लगभग 300 सहायक अध्यापकों की मृत्यु हो चुकी है किंतु एक भी सहायक अध्यापकों के आश्रित परिवार को इसका लाभ अब तक नहीं मिल चुका है।अतः अनुकंपा के तहत मृत सहायक अध्यापकों के आश्रित को सीधी नियुक्ति संविदा आधारित सहायक अध्यापक पद पर की जाए.28 अगस्त 2024 को सरकार के साथ किए गए समझौते के तहत तत्काल 1000 मानदेय वृद्धि की जाये.झारखण्ड सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावाली 2021 के तहत प्रत्येक वर्ष मिल रहे वर्तमान मानदेय के आधार पर 4% वार्षिक की गणना करते हुए भुगतान किया जाये.फिक्स्ड राशि के आधार पर वार्षिक वृद्धि का भुगतान न ही नियमावली 2021 में वर्णित है और ना ही यह नियमानुकूल/किसी भी विभाग में वार्षिक बढ़ोतरी इस प्रकार नहीं किया जाता है. सहायक अध्यापकों की सेवानिवृत्ति उम्र 60 से बढ़कर 65 वर्ष किया जाए इसके पूर्व आंगनबाड़ी सेविका सहायिका का सेवानिवृत्ति 62 वर्ष की गई है।सरकार के द्वारा 20 वर्षों से काम कर रहे 8000 वैसे सहायक अध्यापकों जो विद्यापीठ देवघ/ एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से इंटर की डिग्री हासिल किए थे उन्हें बर्खास्त करने का आदेश दिया गया है,क्योंकि ऐसे संस्थान यूजीसी के तहत मान्यता प्राप्त नहीं है ऐसे सहायक अध्यापक की नौकरी वापसी करते हुए इंटर की डिग्री हासिल करने के लिए पुनः मौका दिया जाए।आगामी टेट की परीक्षा में सहायक अध्यापकों के कार्य अनुभव को देखते हुए उत्तीर्णिता प्रतिशत में छूट दिया जाए।

अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 का टीजर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म हाउसफुल 5 का टीजर रिलीज हो गया है। बॉलीवुड फिल्मकार साजिद नाडियाडवाला की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइजी हाउसफुल की पांचवीं किस्त जल्द ही बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है।इस बीच मेकर्स ने हाउसफुल 5 का धमाकेदार टीजर रिलीज कर दिया है। इस फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है।

टीजर की शुरूआत में एक क्रूज समंदर के बीच चलता नजर आता है। क्रूज पर गाना-बजाना चल रहा है, कि तभी अक्षय कुमार की एंट्री होती है और उनके बाद रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस,सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े,चित्रांगदा सिंह, डीनो मोरिया, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, निकितेन धीर,सौंदर्या शर्मा, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर को दिखाया जाता है। अचानक झूमर के ऊपर से एक लाश आकर गिरती है। मर्डर करने वाला हत्यारा मास्क पहने नजर आता है। पूरे टीजर में शुरूआत से लेकर अंत तक फिल्म का गाना लाल परी बजता रहता है।

अक्षय कुमार ने टीजर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर शेयर किया और लिखा- आज से 15 साल पहले पागलपन शुरू हुआ! भारत की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी 5वीं फिल्म के साथ वापस आ गई है, और इस बार यह सिर्फ खलबली और कॉमेडी नहीं है, बल्कि एक किलर कॉमेडी है! यहां पेश है हाउसफुल 5 का टीजर! फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'छावा' की सक्सेस के बीच विनीत कुमार ने फैंस को सुनाई खुशखबरी, पापा बनने वाले हैं एक्टर

एक्टर विनीत कुमार इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म छावा को लेकर खूब चर्चा में हैं। फिल्म की सक्सेस के बीच हाल ही में एक्टर ने अपने फैंस के साथ एक बड़ी गुड न्यूज शेयर की है। एक्टर के बताया कि वह जल्द ही पापा बनने वाले हैं। उनकी पत्नी प्रेग्नेंट हैं और जल्द ही बेबी को जन्म देंगी। यह खुशखबरी एक्टर ने मीडिया के साथ बातचीत में दी, जिसके बाद उन्हें फैंस और करीबियों की खूब शुभकामनाएं मिल रही हैं। मीडिया से बात करते हुए विनीत कुमार ने कहा कि ये टाइम हम दोनों के लिए बेहद कीमती है। हम बहुत खुश हैं और अपने बच्चे के साथ होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह हमारे लिए नया है और मैं हर पल के लिए वहां रहना चाहता हूं।

वहीं, एक्टर की वाइफ रुचिरा ने मां बनने को लेकर कहा कि मैं बहुत खुश हूं। इन दिनों विनीत बहुत बिजी रहते हैं। मैं काम करने में बिजी रहती हूं इसलिए इस टाइम काम करने में मुझे खुशी हो रही है।

इसके आगे विनीत ने कहा कि मैं अपनी वाइफ का ख्याल रखने की कोशिश करता हूं। जल्दी काम खत्म करके घर आ जाता हूं और मैंने उसके संग समय बिताने का फैसला किया है। इतना ही नहीं, मैं डाक्टर के पास उसके साथ जाता हूं और जुलाई में डिलीवरी के बाद पैटरनिटी लीव पर जाने का प्लान कर रहा हूं।

काम की बात करें तो विनीत कुमार विक्की कौशल की छावा के अलावा सनी देओल की जाट में भी नजर आ चुके हैं।

रेड 2 में अजय देवगन संग स्क्रीन शेयर करने पर रितेश देशमुख ने तोड़ी चुप्पी, बोले- सामने खड़े होते

अजय देवगन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म रेड 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है. फिल्म का क्लैश संजय दत्त की हॉरर कॉमेडी द भूतनी से देखने को मिल रहा है. हालांकि, अमय पटनायक के किरदार में अजय देवगन ने ऐसा दांव खेला है कि दर्शक भूतिया मूवी को भूल चुके हैं. रेड 2 एक एक्शन-थ्रिलर है, जो 2018 की रेड का सीक्वल है. फिल्म का निर्देशन और लेखन राज कुमार गुप्ता ने किया है. इस बार रेड 2 के खलनायक रितेश देशमुख है, जिसने हाल ही में पीटीआई से बात करते हुए अजय देवगन के साथ काम करने पर बात की है. उन्होंने बताया कि अजय कितने बेहतरीन एक्टर हैं । रितेश देशमुख ने बताया कि अजय देवगन की तारीफों के पुल बांधे. उन्होंने कहा, जब अजय जैसा एक्टर हो, जो कि बहुत ही बेहतरीन अभिनेता हैं. वह सामने खड़े होते हैं तो वो आपका भी काम अच्छा हो जाता है क्योंकि क्या होता है कि जब सामने इतना अच्छा काम होता है कि वो आपकी एक्साइटेड बना देता है. तो अजय देवगन जैसे लोग जो हमेशा टॉप ऑफ द गेम हैं और वो जब स्क्रीन पर होते हैं, तब आपको ऐसा लगता है कि आपको पूरी मेहनत करनी है ताकि आपके वजह से सीन खराब न हो जाये.

रेड 2 की कहानी कैसी लगी? : रितेश ने आगे कहा, ह्यजब भी मैं फिल्म देखता हूं तो यह देखता हूं कि स्क्रिप्ट क्या है और मुझे रेड 2 की कहानी बहुत पसंद आई. यह एक आम रेड नहीं है. बड़ी ही पेचीदा चीज है. कभी दादाभाई अमय पटनायक पर भारी पड़ते हैं तो कभी अमय पटनायक दादाभाई पर. तो अंत तक दोनों में चूहा बिल्ली का खेल चलता रहता है. इसके बावजूद यह सिर्फ इन दोनों की कहानी नहीं है. इसमें अमय पटनायक और उनके परिवार पर क्या बीत रही है, दादाभाई और उसके परिवार पर क्या बीत रही है. तो यह सिर्फ दो लोगों की कहानी नहीं ह।

सिर पर कलश और चेहरे पर खुशी...पूरे विधि विधान से सरकारी बंगले में शिफ्ट हुई कंगना रनौत

बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश के मंडी से सांसद कंगना रनौत आखिरकार नई दिल्ली में अपने आधिकारिक आवास में शिफ्ट हो गई हैं। 2024 में राजनीति में कदम रखने के बाद एक्ट्रेस ने एमपी हाउस में अपने गृह प्रवेश किया। इस खास दिन के लिए उन्होंने 2025 में अक्षय तृतीया का शुभ दिन चुना।

कंगना रनौत ने अपने गृह प्रवेश पूजा का एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में कंगना रेड एंड व्हाइट कलर की कांजीवरम साड़ी में खूबसूरत लग रही थीं, जिसे नाजुक सुनहरे गहनों के साथ उन्होंने पेयर किया था। वीडियो में कंगना सिर पर कलश रख घर में प्रवेश करती दिख रही है।

इसके अलावा कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि कंगना अपने भतीजों सहित अपने परिवार के साथ अनुष्ठान के लिए शामिल हुईं। एक तस्वीर में वह दर्शिनी के साथ पोज भी करती नजर आ रही हैं।

इन तस्वीरों के साथ कंगना ने लिखा, आखिरकार दिल्ली टढ हाउस में शिफ्ट होने का थोड़ा समय मिल ही गया। 100 साल पुराने सीएम हाउस को रिस्टोर करना आसान नहीं था। साथ ही कंगना ने घर सजाने में उनकी मदद करने वालीं आर्किटेक्ट दर्शिनी को भी टैग किया है और उन्हें शुक्रिया किया है।

राज महल से कम नहीं है कंगना का सरकारी आवासः घर में भव्य लकड़ी की कुर्सियां, बड़ी लकड़ी के फ्रेम वाली खिड़कियां और मुलायम सफेद पर्दे हैं जो भरपूर रोशनी लाते हैं। प्राचीन झूमर विंटेज टच जोड़ते हैं और प्राचीन सफेद संगमरमर के फर्श भव्यता में इजाफा करते हैं। दीवारों पर भारतीय-प्रेरित चित्र घर को एक सांस्कृतिक खिंचाव देते हैं, जिससे यह परंपरा और आधुनिकता का एक आदर्श मिश्रण लगता है।

फिल्मों की बात करें तो कंगना रनौत को आखिरी बार फिल्म 'इमरजेंसी' में देखा गया था।

भारत में पाक कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भले ही भारत में सभी पाकिस्तानी कलाकारों को बैन कर दिया गया है। हालांकि कई इंडियन न सिर्फ पाकिस्तानी ड्रामा पसंद करते हैं, बल्कि पाकिस्तानी एक्टर्स को सोशल मीडिया पर फॉलो भी करते हैं। उन फैंस के लिए बुरी खबर है क्योंकि अब से कोई भी इंडियन यूजर, किसी पाकिस्तानी सेलेब्स का सोशल मीडिया अकाउंट नहीं देख सकेगा।

दरअसल, सभी पाकिस्तानी एक्टर्स के अकाउंट भारतीय यूजर्स के लिए सस्पेंड कर दिए गए हैं। अब पाकिस्तानी सेलेब्स के अकाउंट में लिखा आ रहा है, अकाउंट भारत में मौजूद नहीं है। इन कंटेंट को लीगल रिक्वेस्ट के चलते रिस्ट्रिक्ट किया जा रहा है। भारत में रिस्ट्रिक्ट होने वाले पाकिस्तानी सेलेब्स में माहिरा खान, हानिया आमिर, अली जफर, माया अली, आयजा खान, सजल अली, इकरा अजीज, सनम सईद के नाम शामिल हैं। बता दें कि माहिरा खान, अली जफर, सजल अली बॉलीवुड में काम कर चुके हैं।

आईपीएल 2025 : हैदराबाद पर जीत को उतरेगा गुजरात

अहमदाबादः आईपीएल 2025 का 51वां मैच 02 मई को गुजरात टाइटन्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। बता दें गुजरात को 28 अप्रैल को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली हार के बाद वापसी करना होगा। शुभमन गिल की अगवाई वाली टीम ने यह मैच आठ विकेट से गंवा दिया, जिसका क्रेडिट वैभव सूर्यवंशी को जाता है। वहीं हैदराबाद ने चेपक में चेन्नई सुपर किंग्स को हराया था। लेकिन यह सीजन उनके हिसाब से नहीं रहा है, क्योंकि उन्होंने नौ मैचों में केवल तीन जीत हासिल की हैं, वहीं छह हारे हैं। पैट कमिंस की अगवाई वाली टीम के पास अभी भी प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने का एक छोटा सा मौका है और टीम आखिरी कोशिश करने की कोशिश करेगी और अपने बचे हुए सभी पांच गेम जीतकर शीर्ष चार में जगह बनाने की

उम्मीद करेगी।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में बल्ले और गेंद के बीच संतुलित मुकाबला होने की उम्मीद है। इस आईपीएल सीजन में पिच आम तौर पर बल्लेबाजों के अनुकूल रही है, खासकर शुरूआत में, लेकिन पावरप्ले के बाद स्पिनर खेल में आ सकते हैं। सतह पर तेज गेंदबाजों के लिए कुछ उछाल भी है। इस सीजन में अब तक पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने यहां चार में से तीन गेम जीते हैं। हालांकि, 39 मैचों में 21 जीत के साथ, पीछा करने वाली टीम का ऐतिहासिक रूप से थोड़ा बढ़त है। हालांकि, इस सीजन में पहले बल्लेबाजी करने का चलन होने के कारण, टॉस जीतने वाले कप्तान इसी तरह का विकल्प चुनेंगे। हालांकि, दूसरी पारी में ओस पड़ने की संभावना है।

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर 12 लाख जुर्माना

नई दिल्लीः आईपीएल 2025 के 49वें मैच में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स पर चार विकेट की जीत दर्ज की। युजवेंद्र चहल की हैट्रिक के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर (72 रन) और प्रभसिमरन सिंह (54 रन) के अर्द्धशतकों की मदद से पंजाब पांच बार की चैंपियन चेन्नई को हराकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। इस जीत के बावजूद पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर को जुमार्ना भरना पड़ा। धीमी ओवर गति के कारण उन पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

आईपीएल के एक बयान में कहा गया कि आईपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता (अनुच्छेद 2.22) के तहत यह उनकी टीम का सीजन का पहला अपराध था, इसलिए श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए अय्यर और प्रभसिमरन ने दूसरे विकेट के लिए 50 गेंदों में 72 रनों की साझेदारी बनाकर पंजाब किंग्स को सीएसके के 191 रनों के लक्ष्य को हासिल करने की ओर अग्रसर किया।

आईपीएल से बाहर हुए ग्लेन मैक्सवेल

नई दिल्लीः पंजाब किंग्स के अपने स्टार खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल को लेकर बड़ा खुलासा किया है। पंजाब किंग्स के इस पोस्ट में बताया गया है कि अब ग्लेन मैक्सवेल टीम के लिए आगे आने वाले मैचों से बाहर रहेंगे। टीम की तरफ से जारी सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया है कि ग्लेन मैक्सवेल की अंगुली में चोट लग गई है, जिसकी वजह से वह आने वाले मुकाबलों में टीम के साथ खेलते हुए नजर नहीं आएंगे।

मैक्सवेल की अंगुली में चोट कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले गए मैच में लगी थी। इस मैच में ग्लेन मैक्सवेल सात रन पर आउट हो गए थे। मैक्सवेल के बल्ले से इस आईपीएल सीजन में रन नहीं आए हैं।

एलओसी में पर्यटकों की एंट्री बैन, होटलों और गेस्ट हाउस में सेना,इमरजेंसी जैसे हालात

नई दिल्ली : पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। इस बीच पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में भी हड़कंप मचा हुआ है और वहां के प्रधानमंत्री चौधरी अनवर-उल-हक ने संकेत दिए हैं कि यदि हालात बिगड़ते हैं तो क्षेत्र में आपातकाल लागू किया जा सकता है।

भारत की संभावित सैन्य कार्रवाई की आशंका के बीच सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर नीलम घाटी और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के निकटवर्ती संवेदनशील इलाकों में पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही धार्मिक मदरसों को 10 दिनों के लिए बंद करने का आदेश भी दिया गया है।

पीओके के प्रधानमंत्री ने दावा किया है कि भारत की आक्रमकता की स्थिति में भोजन, दवाएं और अन्य जरूरी चीजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने की पूरी तैयारी कर ली गई है। आपातकालीन फंड में एक अरब रुपये ट्रांसफर कर दिए गए हैं और होटल, गेस्टहाउस तथा शादी हॉल के संचालकों ने अपनी संपत्तियां सेना को देने की पेशकश की है।

अधिकारियों ने नीलम घाटी और एलओसी के आसपास के संवेदनशील इलाकों में स्थित मदरसों को 10 दिनों के लिए बंद करने का फैसला किया है। ऐसी आशंका है कि भारत इन संस्थानों को आतंकी प्रशिक्षण केंद्र बताकर निशाना बना सकता है।

पहलगाम अटैक के बाद साइबर अपराधियों के निशाने पर भारत, 10 लाख से अधिक ऑनलाइन हमले रिपोर्ट

नई दिल्ली : पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत पर बड़े पैमाने पर साइबर हमला किया गया है। महाराष्ट्र साइबर सेल के अनुसार, देश पर 10 लाख से अधिक ऑनलाइन साइबर हमले दर्ज किए गए हैं। ये हमले पाकिस्तान, मिडिल ईस्ट, इंडोनेशिया और मोरक्को जैसे देशों के हैकिंग ग्रुप्स द्वारा किए गए हैं।

महाराष्ट्र साइबर विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यशस्वी यादव ने बताया कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के तुरंत बाद डिजिटल मोर्चे पर भी भारत को निशाना बनाया गया। इन हमलों में भारत की सरकारी वेबसाइटों और पोर्टल्स को टारगेट किया गया। उन्होंने बताया कि हमले करने वाले कई हैकर खुद को इस्लामिक समूहों से जुड़ा बता रहे हैं और इसे एक तरह की साइबर जंग माना जा रहा है। हालांकि, महाराष्ट्र साइबर ने समय रहते इनमें से कई साइबर अटैक्स को नाकाम कर दिया है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर विभाग ने सभी सरकारी एजेंसियों और विभागों को एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि वे अपने डिजिटल सिस्टम को मजबूत करें और सुरक्षा इंतजाम कड़े करें, ताकि भविष्य के हमलों से बचा जा सके।

जाति जनगणना को लेकर बोले तेजस्वी यादव यादव पिक्चर अभी बाकी है, बीजेपी- आरएसएस पर साधा निशाना

पटना: बिहार में जाति जनगणना को लेकर राजनीतिक वाकयुद्ध बढ़ता जा रहा है। विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा मजबूरी में लिया गया निर्णय बताया है। इसके साथ ही उन्होंने एक्स पर लिखा कि जातिगत जनगणना तो शुरूआत है, पिक्चर अभी बाकी है। उन्होंने आगे लिखा कि पिछड़ों/अति पिछड़ों के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र, निजी क्षेत्र में आरक्षण, ठेकेदारी में आरक्षण, न्यायपालिका में आरक्षण, मंडल कमीशन की शेष सिफारिशों को लागू करेंगे, आबादी के अनुपात में आरक्षण देंगे, बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा, बिहार के लिए विशेष पैकेज।

राजद नेता ने कहा कि उच्च मानसिकता के समता विरोधी संकीर्ण व नकारात्मक संघी/भाजपाई इस पर भी हमें गाली देंगे लेकिन बाद में बेशर्म हमारे ही एजेंडे को अपना मास्टर स्ट्रोक कहेंगे। कितने खोखले लोग है ये? वहीं, पटना में मीडिया से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि यह कदम भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की स्वैच्छिक पहल नहीं है, बल्कि यह जनता के बढ़ते दबाव का नतीजा है। तेजस्वी ने कहा, यह कोई फैसला नहीं है, यह मजबूरी है। उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा था। हम इस मुद्दे को सालों से उठा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, भले ही उन्होंने जनगणना की घोषणा कर दी हो, लेकिन अभी भी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कब शुरू होगी। और इसे परिसीमन प्रक्रिया से पहले पूरा किया जाना चाहिए ताकि लोकसभा और विधानसभा सीटों का आवंटन अद्यतन आंकड़ों के आधार पर किया जा सके। इस बीच, बिहार कांग्रेस के नेताओं ने तेजस्वी यादव की भावना को दोहराया और जाति जनगणना के फैसले का श्रेय लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रयासों को दिया। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार राम ने राहुल गांधी की तस्वीर पर दूध चढ़ाकर प्रतीकात्मक रूप से अपनी बात रखी और कहा, जिसकी जितनी संख्या, उसका उतना हिस्सा' के नारे ने देश में सामाजिक समानता की उम्मीद जगाई है।

अयोध्या में राम पथ के 14 किलोमीटर इलाके में शराब और मीट की नहीं होगी बिक्री

पान-गुटखा और सिगरेट के विज्ञापन पर भी रहेगी रोक

अयोध्या : अयोध्या नगर निगम ने रामपथ के 14 किलोमीटर क्षेत्र में शराब और मांस की बिक्री पर रोक लगाने का प्रस्ताव पारित किया है। इसके अलावा पान, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट और इनरवियर के विज्ञापन भी अब इस क्षेत्र में नहीं लगाए जा सकेंगे। राम पथ अयोध्या और फैजाबाद को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, जिसकी शुरूआत सरयू तट से होती है। इसका करीब 5 किलोमीटर हिस्सा फैजाबाद शहर में आता है। फिलहाल इस इलाके में कई शराब और मांस की दुकानें चल रही हैं, जिन्हें बंद किया जाएगा।

नगर निगम ने इस प्रस्ताव को धार्मिक भावना को बनाए रखने के उद्देश्य से पास किया है। कार्यकारी समिति में मेयर गिरीशपति त्रिपाठी, डिप्टी मेयर और 12 पार्षद शामिल हैं। समिति के इकलौते मुस्लिम पार्षद सुल्तान अंसारी भी भाजपा से हैं और उन्होंने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया।

मेयर त्रिपाठी ने गुरुवार को इस फैसले की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस प्रस्ताव के कार्यान्वयन की विस्तृत योजना और समयसीमा जारी की जाएगी। इस फैसले के लागू होने से राम मंदिर के आसपास का इलाका और फैजाबाद के कुछ हिस्से इस धार्मिक मयार्दा के दायरे में आ जाएंगे। अयोध्या में पहले से ही मांस और शराब की बिक्री पर आंशिक रोक है, लेकिन अब यह प्रतिबंध औपचारिक रूप से पूरे राम पथ पर लागू होगा।

बिहार में कांग्रेस का कोई वजूद नहीं, वह सिर्फ लालू यादव का झोला उठाने वाली पार्टी , प्रशांत किशोर का हमला

पटना: जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में कांग्रेस का कोई वजूद नहीं है, वह सिर्फ लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल का झोला उठाने वाली पार्टी है।

किशोर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महागठबंधन में कांग्रेस की कोई ताकत नहीं है। उसने दिल्ली में चंद सांसदों की लालच में पूरी पार्टी को बिहार में लालू प्रसाद यादव के हवाले कर दिया है। बिहार में कांग्रेस का अपना कोई वजूद नहीं है। बिहार में कांग्रेस सिर्फ राजद का झोला ढोने वाली पार्टी है।

ताड़ी को लेकर तेजस्वी पर भी साधा निशाना : जन सुराज के सूत्रधार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के शराबबंदी से ताड़ी को बाहर करने के वादे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब शराबबंदी लागू की गई थी, तब राजद भी सरकार का हिस्सा था। तब उन्हें पासी समाज की याद नहीं आई। तब उन्होंने शराबबंदी से ताड़ी को बाहर क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि अगर उस समय याद नहीं आया तो उसके बाद जब राजद को सरकार में रहने का मौका मिला था, तब भी उन्हें शराबबंदी से ताड़ी को बाहर कर देना चाहिए था। किशोर ने कहा कि राजद को पासी समाज की कोई परवाह नहीं है, बिहार में अभी चुनाव है, इसीलिए उनके नेता लबनी (ताड़ी एकत्र करने वाली छोटी हांडी) लेकर घूम रहे हैं।

तेज आंधी और बारिश के बीच पेड़ गिराने से मकान ढहा, महिला और 3 बच्चों की मौत, एक घायल

नई दिल्ली : दिल्ली के जाफरपुर कलां इलाके में तेज हवाओं के बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां खेत में बने एक कमरे पर भारी नीम का पेड़ गिर गया, जिससे कमरा ढह गया। कमरे में मौजूद एक महिला और 3 मासूम बच्चों की मलबे में दबकर मौत हो गई। सूचना के बाद पहुंची राहत और बचाव टीम ने मलबे से सभी को बाहर निकाला, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे में एक अन्य व्यक्ति का इलाज जारी है। पुलिस को सुबह 5:26 बजे इस हादसे की सूचना मिली, जिसके बाद तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। सभी को जाफरपुर कला स्थित फ्छफ अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। मरने वालों में 26 वर्षीय ज्योति, उनकी 3 संतानें, जिनमें दो बेटियां और एक बेटा शामिल हैं, इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे के वक्त परिवार खेत में बने ट्यूबवेल के कमरे में मौजूद था, जो तेज हवाओं से गिरे पेड़ के नीचे आकर ढह गया। परिवार का एकमात्र बचा सदस्य अजय कुशवाह इस हादसे में घायल हुआ है। अजय मृतका ज्योति का पति है। अजय को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। दिल्ली पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। दिल्ली- एनसीआर में शुक्रवार सुबह तेज हवाओं, भारी बारिश और ओलावृष्टि ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और अगले कुछ घंटों में 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी, गरज-चमक और बारिश की चेतावनी दी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के पहले ट्रांसशिपमेंट हब का किया उद्घाटन , कहा-

नए युग के विकास का प्रतीक है

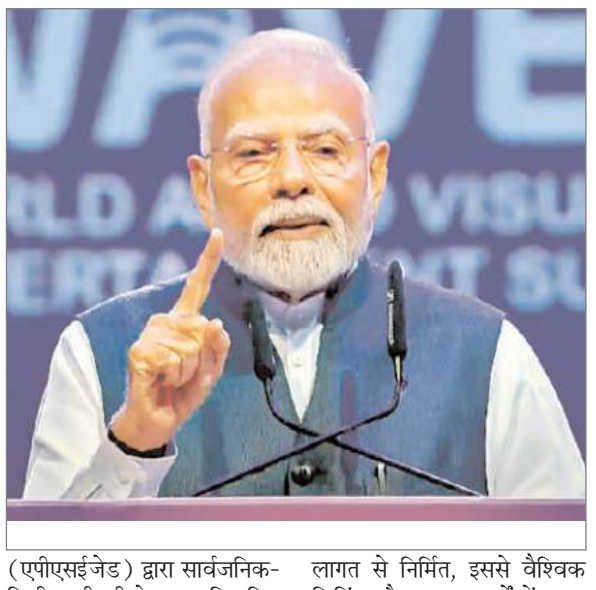

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8,900 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट' को राष्ट्र को समर्पित किया। तिरुवनंतपुरम में स्थित, गहरे समुद्र का बंदरगाह भारत का पहला समर्पित कंटेनर ट्रांसशिपमेंट हब है।

तिरुवनंतपुरम केरल विझिनजाम बंदरगाहः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8,900 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट' को राष्ट्र को समर्पित किया। तिरुवनंतपुरम में स्थित, गहरे समुद्र का बंदरगाह भारत का पहला समर्पित कंटेनर ट्रांसशिपमेंट हब है। यह दक्षिणी राज्य को वैश्विक नौसैनिक मानचित्र पर लाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन भी मौजूद रहे। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित किया गया है।

अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड द्वारा सार्वजनिक-निजी मॉडल के तहत सरकार के साथ साझेदारी में लगभग 8,867 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित, इससे वैश्विक शिपिंग और व्यापार मार्गों में भारत की उपस्थिति को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

विझिनजाम बंदरगाह के उद्घाटन समारोह के दौरान केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर बात की। उन्होंने कहा, मैं पिछले महीने पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देकर शुरूआत करना चाहता हूं। उनकी क्षति हमें राष्ट्र विरोधी और विभाजनकारी ताकतों से अपने देश की रक्षा करने के लिए एकजुट रहने की तत्काल आवश्यकता की याद दिलाती है।

विझिनजाम बंदरगाह के उद्घाटन समारोह के दौरान, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा, ₹केरल सरकार और मेरी ओर से, मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हार्दिक स्वागत करता हूं जो बंदरगाह का उद्घाटन करने के लिए यहां आए हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। इस बंदरगाह का चालू होना आधुनिक युग की शुरूआत का प्रतीक है। प्रधानमंत्री की उपस्थिति इस अवसर को और भी खास बनाती है और हम सभी के लिए बहुत खुशी लाती है। यह हमें इस बंदरगाह के उज्ज्वल भविष्य के बारे में आशावादी भी बनाती है।

'पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद होने से एयर इंडिया को होगा 60 करोड़ डॉलर का नुकसान', रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली : पाकिस्तान द्वारा अपना एयरस्पेस भारतीय एयरलाइंस के लिए बंद करने के बाद एयर इंडिया को सालाना करीब 60 करोड़ डॉलर का नुकसान हो सकता है। न्यूज एजेंसी रायटर्स ने कंपनी के एक पत्र का हवाला देते हुए यह दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के एयरस्पेस बंद करने से भारतीय एयरलाइंस का ईंधन का खर्च बढ़ेगा और साथ ही उड़ानों के रूट का फिर से निर्धारण किया जाएगा।

भारत की सख्ती के बाद बौखलाया पाकिस्तान : पत्र में कहा गया है कि अगले साल यह नुकसान और ज्यादा बढ़ सकता है। एयरलाइंस ने चेताया है कि इसका असर यात्रियों पर भी पड़ सकता है। एयर इंडिया ने अनुमान जताया है कि उन्हें हर साल 59.1 करोड़ डॉलर का नुकसान हो सकता है और जितने लंबे समय तक यह प्रतिबंध लागू रहेगा, तब तक एयरलाइंस का नुकसान बढ़ता रहेगा। उल्लेखनीय है कि बीती 22 अप्रैल को आतंकियों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस नरसंहार के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता स्थगित कर दिया था। साथ ही भारत ने पाकिस्तान के साथ अपने राजनयिक रिश्ते भी घटाए हैं। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना एयरस्पेस बंद करने का एलान कर दिया।

सरकार से सब्सिडी देने की मांग: हालांकि पाकिस्तान के एयरस्पेस बंद करने के एलान का अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस पर असर नहीं पड़ेगा। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि एयर इंडिया ने सरकार से इस नुकसान से उबरने के लिए सब्सिडी देने की मांग की है। एयर इंडिया ने कहा है कि जब हालात सुधर जाएं तो सरकार सब्सिडी वापस ले सकती है। भारत की अन्य एयरलाइंस भी एयरस्पेस बंद होने से प्रभावित होंगी, लेकिन सबसे ज्यादा असर एयर इंडिया पर ही होना है क्योंकि एयर इंडिया द्वारा ही बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन किया जाता है। दिल्ली से पश्चिम एशिया जाने वाली उड़ानों में ही करीब एक घंटे का समय बढ़ जाएगा। इससे ईंधन भी ज्यादा इस्तेमाल होगा। नई दिल्ली : पाकिस्तान द्वारा अपना एयरस्पेस भारतीय एयरलाइंस के लिए बंद करने के बाद एयर इंडिया को सालाना करीब 60 करोड़ डॉलर का नुकसान हो सकता है।

अमेरिका-यूक्रेन में मिनरल डील, यूक्रेनी खनिज के बदले देश के रिडेवेलपमेंट में निवेश करेंगे राष्ट्रपति ट्रंप

एजेंसी/ वाशिंगटन: अमेरिका ने आखिरकार यूक्रेन के साथ एक क्रिटिकल मिनरल डील पर हस्ताक्षर कर लिए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बीच फरवरी में हुई तीखी बहस के दो महीने बाद यह मिनरल डील पूरी हुई है। अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ जंग में 350 बिलियन डॉलर की मदद की है। इसके बदले में उसने यूक्रेन से दुर्लभ खनिज देने की मांग की थी। दोनों देशों के बीच यूक्रेन के खनिजों और रेयर अर्थ मेटल्स की भविष्य की बिक्री से होने वाली राजस्व की कमाई को आपस में बांटने के लिए यह समझौता किया गया है। इस डील पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले दो महीनों से जोर दे रहे थे और उनका यह दावा है कि प्राकृतिक संसाधनों को शेयर करने पर एक समझौते पर मुहर लगाने से अमरीका को आर्थिक प्रोत्साहन मिलेगा, इससे वह रूस के साथ भविष्य के शांति समझौते के बाद यूक्रेन की रक्षा कर पाएगा और उसके पुनर्निर्माण में निवेश जारी रख पाएगा।

अमरीका के ट्रेजरी सेक्रेटरी (वित्त मंत्री) स्कॉट बेसेंट और यूक्रेन की प्रथम उपप्रधानमंत्री यूलिया स्विरिडेंको ने इस डील पर साइन किया है, जिसका आधिकारिक नाम प्राकृतिक संसाधन समझौते (नेचुरल रिसोर्स डील) है। इस डील के तहत अमेरिका को यूक्रेन के नए मिनरल (खनिज) प्रोजेक्ट्स में खास एक्सेस मिलेगा। इसके बदले में अमरीका यूक्रेन के पुनर्निर्माण में निवेश करेगा। इस डील के तहत यूक्रेन के रिडेवेलपमेंट और रिकंस्ट्रक्शन के लिए एक जॉइंट इन्वेस्टमेंट फंड बनाया जाएगा। इसके अलावा ट्रंप सरकार ने इस डील के बारे में ज्यादा डिटेल्स तुरंत जारी नहीं की हैं, और ये भी साफ नहीं है कि इसका अमेरिका की सैन्य मदद पर क्या असर पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक, फाइनल डील में अमरीका की तरफ से किसी तरह की सिक्योरिटी मदद की कोई पक्की गारंटी नहीं दी गई है। यूक्रेन के इकोनॉमी मिनिस्ट्री ने कहा है कि अमेरिका इस फंड में सीधे या फिर मिलिट्री मदद के जरिए योगदान देगा, जबकि यूक्रेन इस फंड में अपने नेचुरल रिसोर्सेज के इस्तेमाल से होने वाली कमाई का 50 फीसदी हिस्सा डालेगा।

न्यूज ब्रीफ

सीमित परिवार रखने को लेकर जागरूकता रथ रवाना

मनिका : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिका से मिशन परिवार विकास अभियान 2025 के तहत एक कार्यक्रम आयोजित की गई। जिसमें परिवार को सीमित रखने हेतु जागरूकता फैलाने के लिए जागरूकता रथ को मनिका प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ दिव्या क्षितिज कुजूर के द्वारा हरी झंडी दिखाते हुए रथ को रवाना किया गया । मौके पर एमपीडबल्यू के राहुल कुमार बीटीटी के वीरेंद्र उरांव व मीना खातून एवं प्रखंड के सभी सहिया मौजूद रहे।

महुआडांड़ में बिजली कटौती से परेशान

महुआडांड़ : प्रखंड में बिजली आपूर्ति में हो रही अनियमितता और लंबे समय तक चलने वाली कटौती ने आम जनता की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। 36 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुके तापमान के बीच, बिना किसी पूर्व सूचना के हो रही बिजली कटौती से उपभोक्ताओं का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। दिन हो या रात, लोगों को घंटों बिजली की बहाली का इंतजार करना पड़ रहा है, लेकिन शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक अधिकारी इस समस्या पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि बिजली विभाग के अधिकारी उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

भुइयांडीह में युवक की हत्या, पत्नी पर शक

सीतारामडेरा : थाना अंतर्गत भुइयांडीह कल्याण नगर निवासी छबिरा लोहार की हत्या कर दी गई। छिबिरा का शव शुक्रवार सुबह उनके घर पर पाया गया। घर पर चारों तरफ खून फैला हुआ था। सूचना पाकर डीएसपी हेडक्वार्टर 1 भोला प्रसाद और सीतारामडेरा थाना प्रभारी मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। थाना प्रभारी ने बताया कि खून किचन से लेकर कमरे तक फैला हुआ है। छबिरा के सिर पर वार किया गया है। घर पर सिर्फ पत्नी मौजूद थी। दो बच्चे बाहर बोर्डिंग स्कूल में पढ़ते है। पुलिस पत्नी से पूछताछ कर रही है। इधर, छबिरा के भाई ने बताया कि छबिरा ने फोन कर बताया था कि उसकी पत्नी का किसी के साथ अवैध संबंध है।

डीसी रेलखंड पर फिर से मंडराने लगा खतरा

धनबाद : धनबाद-चंद्रपुरा रेल लाइन पर एक बार फिर से खतरा मंडराने लगा है। यह यात्रियों की जान से भी एक तरह से खिलवाड़ है। शताब्दी, एलेप्पी समेत 26 जोड़ी ट्रेनें डीसी रेल लाइन पर चलती हैं। लेकिन डीसी रेल खंड के नीचे कोयले का अवैध उत्खनन किया जा रहा है। डीसी रेल खंड के नीचे खोखला करने में कोयला तस्कर जुटे हैं।

डीजीएमएस की रिपोर्ट के बाद पूर्व में ढाई साल तक ट्रेनों का परिचालन इस रेल खंड पर बंद रहा था। ढाई साल हुए लोगों के आंदोलन के बाद इस पर फिर से ट्रेनों का परिचालन शुरू हुआ है, लेकिन रेल लाइन के नीचे तस्करों के द्वारा व्यापक स्तर पर कोयले की कटाई से एक बार फिर से रेल लाइन पर खतरा मंडराने लगा है।

समाजसेवी और रेल परिचालन के लिए आंदोलन किए विजय झा ने कहा कि डीजीएमएस हेडक्वार्टर महज 10 किलोमीटर दूर है। एरियल डिस्टेंस महज 2 से 3 किमी है। इसके बावजूद भी डीजीएमएस देख नहीं पा रहे हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे में डीजीएमएस का होना या ना होना कोई औचित्य नहीं है। हर तरह की माइनिंग के देखने की जिम्मेदारी डीजीएमएस की है।

उन्होंने कहा कि कोल कंपनियों के उत्खनन में नियमों के अनदेखी की जिम्मेदारी डीजीएमएस के कंधों पर है, लेकिन डीजीएमएस के अधिकारी पूरी तरह से सुस्त है। धनबाद चंद्रपुरा रेल खंड पर चलने वाली 26 जोड़ी यानी कुल 52 ट्रेनों को यह बोलकर बंद की गई थी कि रेल लाइन के नीचे आग है। बंद होने के बाद करीब दो सालों तक आंदोलन चला, जिसके बाद 19 फरवरी 2019 में फिर से ट्रेनों का परिचालन शुरू हुआ और अब उसी डीसी रेल लाइन पर खतरा मंडराने लगा है, ऐसे में कभी भी ट्रेनें बंद होने की घोषणा हो सकती है। इस पर सिर्फ यात्री ट्रेनें ही नहीं बल्कि मालगाड़ी रेल भी चलती है। जबकि इस रेल खंड पर एक करोड़ 14 लाख यात्री विभिन्न ट्रेनों में सफर करते हैं। यह आंकड़ा रेलवे का है। मुंबई के बाद सबसे अधिक राजस्व देने वाला धनबाद है। डीजीएमएस और रेल प्रबंधन दोनों को अपनी जिम्मेदारी निभाने की जरूरत है। साथ ही जिला प्रशासन को मामले में संज्ञान लेने की जरूरत है ताकि भविष्य में कोई हादसा ना हो सके। वहीं, रेलवे सुरक्षा सलाहकार समिति के सदस्य पिंटू सिंह ने कहा कि धनबाद चंद्रपुरा रेल खंड पर जोगता के पास कोयला तस्करों के द्वारा रेल लाइन के नीचे कोयले की कटाई की जा रही है। इस मामले पर डीआरएम से मिलकर कार्रवाई की मांग करेंगें। अगर रेलवे लाइन के नीचे कोयले की कटाई बंद नहीं होती तो फिर एक बार इस रेल खंड के बंद होने का खतरा मंडराने लगेगा।

डीसी ने कराटे खिलाड़ियों को किया सम्मानित

लोहरदगा : कानपुर के द स्पॉट हब में आयोजित प्रथम इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में लोहरदगा जिला के कराटे खिलाड़ियों द्वारा बेहतर प्रदर्शन के लिए आज उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण द्वारा समाहरणालय सभागार में सभी खिलाड़ियों कोमेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शोतोकान स्कूल कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया के द्वारा 18 से 20 अप्रैल 2025 तक आयोजित इस चैंपियनशिप में लोहरदगा जिला कराटे संघ एवं एसएस स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन के 11 कराटे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। आज उपायुक्त ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके बेहतर भविष्य की कामना की। ज्ञात हो कि उक्त चैंपियनशिप में मलेशिया, वियतनाम, दुबई, थाईलैण्ड, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल आदि देशों से लगभग 700 खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिसमें लोहरदगा जिला की ओर से कराटे खिलाड़ी सानिया परवीन ने गोल्ड व ब्रॉन्ज, सिपु कुजूर ने गोल्ड व सिल्वर, मृगांक वैभव ने गोल्ड, उमर रजा ने गोल्ड, संतुष्टि महली (द्वितीय स्थान), अर्श अर्पित टोप्पो ने सिल्वर मेडल, उमर अंसारी ने सिल्वर मेडल, मनीष भगत (तीसरा स्थान), अंकित कुजूर (तीसरा स्थान), रोनित कुजूर (तीसरा स्थान), रामचंद्र उरांव (तीसरा स्थान) हासिल किया। आज खिलाड़ियों के साथ कोच श्रवण साहू व अन्य सपोर्टिंग स्टाफ भी उपस्थित थे।

श्रमिक दिवस पर प्राधिकार ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

जागरूकता से ही श्रमिक अपने अधिकारों के प्रति सचेत हो सकेंगे : रवि चौधरी

बिनय मिश्रा

चाईबासा : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डीएलएसए मौहम्मद शाकिर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार चाईबासा के द्वारा एक मई को मजदूर दिवस पर श्रमिकों के कानूनी अधिकारों तथा उनके हितार्थ चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से आमजन को अवगत कराया गया।

प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने मजदूरों को उनके अधिकारों से अवगत कराने के उद्देश्य से आई टी आई चाईबासा और टी आर टी सी बड़ागुरा

में क्षेत्र के लगभग 250 शहरी व ग्रामीण लोगों और. छात्र छात्राओं के माध्यम से मजदूरों के अधिकारों तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की और इस जानकारी को अधिकाधिक लोगों तक पहुचांने के लिए प्रेरित किया गया।

उन्होंने श्रमिकों को कानूनी जानकारी और मजदूर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी व्यवसाय तथा संस्था को स्थापित करने के लिए श्रमिकों की विशेष भूमिका होती है। मजदूर दिवस मनाने का मूल कारण हर मजदूर के अधिकारों की रक्षा करना तथा उन्हें उनके मूल व कानूनी अधिकारों से अवगत करवाना है।

इसी क्रम में मजदूरों को उनके अधिकारों की विस्तुत जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि समान वेतन अधिनियम 1976 के तहत पुरूष एवं महिला श्रमिकों को समान प्रकृति के कार्य के लिए समान मजदूरी का अधिकार प्राप्त हैं। श्रमिकों के काम करने के लिए निश्चित घंटे तय हैं व कानूनन कर्मचारी को सप्ताह में एक दिन वेतन सहित अवकाश दिया जाना आवश्यक हैं। कामगार मुआवजा अधिनियम के तहत मजदूरों को दुर्घटना होने पर मुआवजा पाने का अधिकार दिया गया हैं। श्रम विभाग भी श्रमिक हिताधिकारी को आर्थिक सहायता राशि प्रदान करता है।

इस मौके पर आई टी आई के प्राचार्य ने श्रमिक कौशल विकास योजना के तहत श्रमिकों के बच्चों को मिलने वाली छात्रावृत्ति, श्रमिक स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत गंभीर बीमारियों मे ईलाज की सुविधा, प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना आदि की जानकारी से श्रमिकों को अवगत कराया।

पैरा लीगल वालंटियर्स उदय शंकर ने श्रमिकों को सिलिकोसिस बीमारी में राज्य सरकार द्वारा मिलने वाली सहायता राशि के बारे में बताया

अधिवक्ता सुनील खेस ने श्रमिक डायरी बनाने के प्रावधानों व इससे होने वाले फायदों के बारे में श्रमिकों को विस्तृत जानकारी दी। पी एल वी हेमराज निषाद और संजय निषाद ने भी कानूनी जानकारी से अवगत कराया।

इस मौके पर पीएलवी रत्ना चक्रवर्ती, राखी चातर सुंडी, रविकांत ठाकुर और सूरज कुमार ठाकुर भी उपस्थित थे

उक्त दिवस पर अन्य स्थानों पर भी में कार्यरत पैरा लीगल वालंटियर्स द्वारा के विभिन्न गांवों में भी श्रमिकों तथा ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

जागरूक कर ही मजदूरों का शोषण खत्म किया जा सकता है : डॉ पवन

मेट्रो रेज संवाददाता

जमशेदपुर : मानगो के आजादनगर में एनसीपी पार्टी कार्यालय में मजदूर दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ। पवन पांडेय ने इस मौके पर कहा कि 01 मई को एनसीपी पार्टी द्वारा पूरे देश में मजदूर अधिकार दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। पार्टी चाहती है कि पूरे देश में एनसीपी संगठन के द्वारा मजदूर भाइयों को उनके अधिकारों के बारे में बताया जाए। क्योंकि किसी भी कंपनी के द्वारा किसी भी मजदूर का शोषण उसकी जानकारी के आधार पर किया जाता है। कई कंपनियों के द्वारा मजदूरों को सरकार के द्वारा निर्धारित दैनिक मजदूरी तक नहीं दी जाती है।

पीएफ ईएसआई सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी उनके साथ खेल खेला जाता है। प्रशिक्षित और अप्रशिक्षित दोनों प्रकार के मजदूरों की मजदूरी अलग-अलग होनी चाहिए। लेकिन जानकारी के अभाव में प्रशिक्षित होने के बाद भी उनको अप्रशिक्षित मजदूरों वाली मजदूरी ही दी जाती है। यही नहीं, कहीं कहीं मजदूरों से 12-12 घंटे तक काम लिया जाता है। लेकिन उन्हें किसी भी प्रकार का कोई ओवरटाइम नहीं दिया जाता है। कंपनियां अपने यहां घाटा दिखाकर मजदूरों की वार्षिक मजदूरी में बढ़ोत्तरी नहीं होने देती हैं। उल्टे ही स्थाई मजदूरों की संख्या को कम करने और उनकी जगह अस्थाई मजदूरों के द्वारा काम कराने के लिए कोशिश करती रहती है। और यह सब होता है मजदूरों को अपने संवैधानिक अधिकारों की जानकारी नहीं होने के कारण। जमशेदपुर खुद मजदूरों का शहर है। इसलिए हमें यहां कार्यक्रम तय करके मजदूरों के बीच जाना होगा। और उन्हें उनके अधिकारों की जानकारी देनी होगी, क्योंकि जानकार मजदूर फिर अपने उपर किसी भी प्रकार का शोषण नहीं होने देगा। उल्टे उसकी जानकारी कितने ही मजदूरों के लिए बहुत लाभप्रद साबित होंगे। कार्यक्रम में दुकानों के सामान को गाड़ी में चढ़ाने वाले और बहुमंजिली इमारतों में दैनिक मजदूरी करने वाले मजदूरों को सम्मानित किया गया। साथ हीपार्टी की ओर से कि जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अनवर हुसैन, तेजपाल सिंह, जितेन्द्र मिश्रा, शैलेन्द्र झा, मोहम्मद रिजवान, फिरोज अहमद, अकबर खान, इकबाल खान, अब्दुल जब्बार, शौकत अंसारी, शेख अहमद, मोहम्मद शब्बीर आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

युवक का शव मिला तीन दिनों से था लापता

मेट्रो रेज संवाददाता

रामगढ़ : जिले में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब दामोदर नदी में एक युवक का शव देखा गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। मृतक की पहचान हेसला निवासी रोहन ठाकुर के रूप में हुई है, जो पिछले तीन दिनों से लापता था। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग दामोदर पुल के पास इकट्ठा हो गए। मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे और बेटे की लाश देख कर उनका रो-रो कर बुरा हाल हो गया। पिता सदमे में हैं और फिलहाल कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं हैं। रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्णनंदन कुमार और एसआई उपेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक के परिवार ने तीन दिन पहले थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच हत्या और आत्महत्या दोनों एंगल से कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

कोयंबटूर-धनबाद स्पेशल में पहले दिन की सभी सीट बुक

धनबाद : धनबाद से कोयंबटूर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन के लिए बुधवार को कोयंबटूर से धनबाद के लिए बुकिंग शुरू हो गई। बोकारो, रांची होकर चलने वाली ट्रेन में बुकिंग शुरू होते पहले दिन यानी दो मई की सभी सीट बुक हो गई।

बीसीसीएलः चार एरिया जीएम समेत पांच का तबादला

धनबाद : बीसीसीएल के पांच जीएम (जिनमें चार एरिया में पदस्थापित हैं) का तबादला किया गया है। अधिकारी स्थापना विभाग ने स्थानांतरण आदेश जारी कर दिया है। स्थानांतरित जीएम में ब्लॉक टू एरिया के जीएम अनुप कुमार राय को एचआरडी यानी मानव संसाधन विभाग का जीएम बनाया गया है। गोविंदपुर एरिया के गणेशचंद्र साहा को ब्लॉक टू भेजा गया है। मुख्यालय क्वालिटी कंट्रोल के जीएम निर्भर चक्रवर्ती को सिजुआ एरिया का जीएम बनाया गया है। वहीं सिजुआ एरिया के सुधाकर प्रसाद को गोविंदपुर एरिया भेजा गया है। एचआरडी के जीएम सतीश कुमार सिंह को मुख्यालय में क्वालिटी कंट्रोल की जिम्मेदारी दी गई है।

धनबाद से अम्मार याशर गिरफ्तार, एटीएस ने दबोचा

मेट्रो रेज संवाददाता

धनबाद : आतंकवादी संगठन से जुड़े एक और शख्स को झारखंड से गिरफ्तार किया गया है। आतंकवादी संगठन से जुड़े इस शख्स का नाम अम्मार याशर है। एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) ने उसे गिरफ्तार किया है। एटीएस को गुप्त सूचना मिली थी कि आतंकी संगठन एवं अन्य प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े कुछ व्यक्ति झारखंड के अन्य युवकों को अपने नेटवर्क से जोड़कर सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से गुमराह कर रहे हैं। ये लोग अवैध आर्म्स का व्यापार कर रहे हैं और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

26 अप्रैल को हुई थी 4 संदिग्ध आतंकियों की गिरफ्तारी

शनिवार 26 अप्रैल 2025 को उक्त सूचना के आधार पर धनबाद जिले में विभिन्न संदिग्ध जगहों पर तलाशी एवं छापेमारी के लिए कई टीमों का गठन किया गया। टीमों ने जगह-जगह छापेमारी की। इस दौरान गुलफाम हसन, अयान जावेद, मो शहजाद आलम और शबनम प्रवीण (सभी थाना-बैंक मोड़, जिला-धनबाद) को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से आग्नेयास्त्र, कारतूस, कई इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाईस तथा भारी मात्रा में प्रतिबंधित संगठनों से संबंधित दस्तावेज/पुस्तक बरामद किये गये हैं।

अयान जावेद ने एटीएस को दी अम्मार याशर की जानकारी

इस संबंध में एटीएस रांची ने केस दर्ज कर सभी चार अभियुक्तों को 27 अप्रैल 2025 को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। 30 अप्रैल 2025 को अभियुक्त गुलफाम हसन, अयान जावेद, मो शहजाद आलम और शबनम प्रवीण को पुलिस रिमांड पर लेकर विस्तृत पूछताछ की गयी। पूछताछ में अयान जावेद ने बताया गया कि अम्मार याशर (33) पिता मो फिरोज खान, साकिन शमशेर नगर, थाना भूली ओपी, जिला-धनबाद भी इन लोगों के साथ हिज्ब उत-तहरीर प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा है।

30 अप्रैल को एटीएस ने अम्मार याशर को किया गिरफ्तार

इसके बाद 30 अप्रैल 2025 को अम्मार याशर उम्र करीब 33 वर्ष को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। इसके मोबाईल में प्रतिबंधित संगठन से संबंधित कई संदिग्ध दस्तावेज मिले हैं। उन दस्तावेजों को विधिवत जब्त कर लिया गया है।

इंडियन मुजाहिदीन में भी था याशर, 10 साल रह चुका है जेल में

पूछताछ करने पर अम्मार याशर ने बताया कि वह पहले इंडियन मुजाहिदीन (क्ट) प्रतिबंधित संगठन से जुड़ा था। वर्ष 2014 में जोधपुर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भी भेजा था। करीब 10 वर्षों तक जेल में रहने के बाद मई-2024 में जमानत पर छूटा था। इसके बाद धनबाद के अपने साथी अयान जावेद एवं अन्य अभियुक्तों के साथ मिकर ल४ळ (ल्वेङ्क वळ-ळअल्फक्क) प्रतिबंधित संगठन से जुड़ गया और उनके नेटवर्क का विस्तार करने में जुट गया।

सेवानिवृत्तअधिकारियों व कर्मचारियों के सम्मान में समारोह का आयोजन

बोकारो : बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन में सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में कंपनी के विभिन्न विभागों व क्षेत्रों से सेवानिवृत्त होने वाले आठ अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्त होने वालों में छह अधिकारी सरोज कुमार पाण्डेय (जीएम, मानव संसाधन), अवधेश कुमार (मुख्य प्रबंधक, खनन), डॉ अमिता बागची (सीएमओ), प्रमोद कुमार झा (वरीय प्रबंधक, खनन), एसके नकीब अंसारी (मुख्य प्रबंधक, सर्वेक्षण) व प्रबीर कुमार पॉल (उप प्रबंधक, खनन) व दो कर्मचारी वकील ठाकुर (कार्यालय अधीक्षक) व मंजू देवी (सामान्य सहायक) को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता बीसीसीएल के निदेशक मुरलीकृष्ण रमैया (मानव संसाधन) ने की। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों को अंगवस्त्र, श्रीफल, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। श्री रमैया ने कहा कि सेवानिवृत्त हो रहे ये कर्मी हमारे केवल सहकर्मी नहीं, बल्कि बीसीसीएल परिवार की मजबूत नींव रहे हैं। हम उनके समर्पण व योगदान को हमेशा याद रखेंगे। सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने अनुभव साझा किये। मौके पर कुमार मनोज (जीएम, मानव संसाधन), सुनील कुमार (जीएम, मानव संसाधन सीटीपी), एके सिंह (अध्यक्ष, सीएमओआइ), सुरेंद्र भूषण (उप महाप्रबंधक, प्रशासन व औद्योगिक संबंध), मनीष मिश्रा, विभागाध्यक्ष (पीएफ व पेंशन) व वरिष्ठ अधिकारी थे।

एटक ने बारीगोड़ा से निकाला मोटरसाइकिल जुलूस

मेट्रो रेज संवाददाता

जमशेदपुर : मजदूर दिवस के अवसर पर एटक के कोल्हान प्रमंडल की ओर से मोटरसाइकिल जुलूस निकाला गया। जमशेदपुर के बारीगोड़ा से रैली निकाली गई जो परसूडीह सिद्धू कान्हू चौक पहुंचा। वहां दोनों महापुरुषों की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित किया गया। वहां से रैली सरकार बिल्डिंग साकची पहुंची, जहां 1981 के मजदूर आंदोलन में शहीद हरि कालिंदी और पैट्रिक पॉल की शहीद वेदी पर माल्यार्पण किया गया। मई दिवस पर मजदूरों ने संकल्प लिया कि देश में मजदूरों के लिए हो रही 20 मई की आम हड़ताल को सफल बनाएंगे। इसके बाद रैली साकची से गोलमुरी फिर टेल्को लेबर ब्यूरो और वहां गोविंदपुर होते हुए राहरगोड़ा और बारीगोड़ा पहुंचकर संपन्न हुई।

रैली का नेतृत्व एटक के राज्य सचिव अंबुज ठाकुर, मुकेश रजक, विक्रम कुमार, निगमानंद पाल, सत्येंद्र सिंह, जय शंकर प्रसाद, ज्वाला सिंह, रंजन पांडे और अजय सिंह कर रहे थे।

न्यूनतम तापमान में आई कमी

जमशेदपुर : मौसम में लगातार तेजी से बदलाव हो रहा है। गुरुवार की अपेक्षा शुक्रवार को न्यूनतम तापमान में 3.3 डिग्री की कमी आई है। शुक्रवार को शाम में हुई बारिश होने के बाद से रात में मौसम ठंडा हो गया और इसका असर सुबह की न्यूनतम तापमान में कमी देखने को मिली। हालांकि दोपहर में तेज धूप से लोग परेशान भी हुए।

गोड्डा में अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का खुलासा पुलिस ने 4 अपराधियों को किया गिरफ्तार

मेट्रो रेज संवाददाता

गोड्डाः पुलिस ने अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। गिरोह के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पिछले कुछ दिनों से ये लोग लगातार वारदात को अंजाम दे रहे थे। गिरफ्तार चार अपराधियों में से तीन बिहार के रहने वालिे हैं।

बता दें कि गोड्डा में पिछले दिनों हो रही लगातार चोरी की घटना के पुलिस के नाक में दम कर रखा था। पुलिस ने चोरों के अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में से तीन सीधे-सीधे चोरी मे लिप्त हैं, वहीं एक जेवर व्यवसायी को भी गिरफ्तार किया गया है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों मोतिया ओपी थाना क्षेत्र के बक्सरा एवं आस पास के गांव लगातार चोरी की घटना ने पुलिस को काफी परेशान कर रखा था। इसके बाद एसपी अनिमेष नैथानी के निर्देश पर स्पेशल टीम एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी के नेतृत्व में गठित कर तहकीकात शुरू की गयी। जिसमें बिहार के बांका जिले के दो और गोड्डा जिले के एक पोड़ैयाहाट थाना क्षेत्र से पकड़े गए। जिन्होंने चोरी की वारदात में शामिल होने की बात स्वीकारी।

इसमें और तीन -चार चोरों के शामिल होने की बात कही जा रही है। जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। इन लोगों के पास से चोरी के कई समान भी बरामद किए गए। वहीं चोरी किए गए ज्वेलरी को बौसी के एक ज्वेलर्स रविशंकर सोनी के दुकान में बेचे जाने की बात कही। इधर दुकानदार को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरे मामले में एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी ने बाताया कि पुलिस के लिए लगातार चोरी की घटना एक चुनौती बन गयी थी। ऐसे में घटना का उद्भेदन कर बांकी लोगों की तलाश जारी है, साथ ही इनका आपराधिक इतिहास पुलिस खांगाल रही है।